



विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल स्ववेश में अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल...

@ विचार राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कोड़ी है लैंगिक समानता...

@ व्यापार भारत समुद्री बीमा पूल से कारोबारियों के लिए निर्बाध...

खबर झरोखा

जमशेदपुर के सड़क हादसे में चार की मौत



रांची। जमशेदपुर के मरीन ड्राइव में सड़क किनारे खड़े ट्रक से कार की टक्कर में चार युवाओं की मौत के बाद झारखंड सरकार ने सड़क किनारे वाहनों की पार्किंग के खिलाफ राज्यभर में अभियान चलाने का फैसला किया है। परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने रविवार को राज्यवासियों से मुख्य सड़कों और सहायक सड़कों पर वाहन पार्क नहीं करने की अपील की। उन्होंने सभी जिलों के उपायुक्तों से जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) और मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) की सेवाएं लेते हुए कार्वाई सुनिश्चित करने को कहा है।

एसआईआर विवाद पर सियासत तेज

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर दिए गए बयान का खंडन किया। उन्होंने कहा कि उनके शब्दों को समाज में फैलाना गलत संदेश देगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई अन्य नेताओं ने भी राहुल गांधी के शब्दों की निंदा की।

बाढ़ में फंसे 18 की पुकार पर पहुंचा वायुसेना का हेलीकॉप्टर, सुरक्षित निकाला

कलेक्टर छिकारा और एसपी सिन्हा की निगरानी में चलाया ऑपरेशन

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा
चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर से बस्तर संभाग में पिछले दिनों से जारी लगातार भारी बारिश के चलते बाढ़ के गंभीर हालात बन गए हैं। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण डोंगाघाट क्षेत्र में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया, जिससे कई ग्रामीण और छोटे बच्चे छतों पर फंस गए थे। वहीं हालात की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन और सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाला। रविवार को भारतीय वायु सेना के विशेष एमआई-17 हेलीकॉप्टर की मदद से एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन



चलाया गया। वायुसेना के जांबाजों ने डोंगाघाट में बाढ़ के बीच जिंदगी और मौत से जुझ रहे 18 नागरिकों को सुरक्षित एयरलिफ्ट कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

इस पूरे बचाव अभियान की कमान स्वयं बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने संभाल रखी थी। मौके पर मौजूद दोनों अधिकारियों की निगरानी और सुझबुझ से यह जटिल रेस्क्यू ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशासन द्वारा वर्तमान में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार राहत सामग्री पहुंचाने और नावों व अन्य माध्यमों से लोगों को सुरक्षित शिविरों तक पहुंचाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

शवरी पुल बाढ़ का पानी, शिवरीनारायण से कटा संपर्क, निचली बस्तियां हुई जलमग्न



जांजगीर-चांपा ■ नीरज शर्मा
प्रदेश में बीते तीन दिनों तक हुई लगातार बारिश से तमाम नदियां उफान पर हैं।

नगर के शवरी पुल पर 6 फीट ऊपर पानी बह रहा है, जिसकी वजह से जांजगीर का शिवरीनारायण का सम्पर्क टूट गया है। महानदी के तट तोड़कर बहने से नगर के बिलासपुर रोड और केरा रोड में पानी भर गया है। आलम यह है निचली बस्तियों में पानी भरने के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। बाई एक में पानी भरने की वजह से बाई के लोगों को संस्कृतिक भवन में रखा गया है। मेला ग्राउंड में भी पानी गया है। पानी के भरव की वजह से लोग नाव में सवार होकर आना-जाना कर रहे हैं।

‘मन की बात’ में पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ से मिजोरम तक की पहल को सराहा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में देश में कुपोषण के खिलाफ चल रहे जन-आंदोलन की जमकर तारीफ की। पीएम ने कहा कि सितंबर का महीना कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने और एक स्वस्थ व बेहतर पोषण वाले भारत के निर्माण के लिए समर्पित है। पूरे देश में कुपोषण से निपटने और पोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कई प्रेरणादायक पहल की जा रही हैं।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'सितंबर का ये महीना कुपोषण से लड़ाई को समर्पित है। पोषण माह में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोग और संस्थाएं इस नैक कार्य के लिए एक साथ आती हैं। छत्तीसगढ़ ने 'हर घर मुंगा-घर मुंगा' अभियान शुरू किया



है। इसमें लोगों को पौष्टिक मुनगा यानि मोरिंगा को अपने खान-पान में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मोरिंगा को पोषण का पावरहाउस माना जाता है।

पीएम ने कहा, 'इसी तरह गुजरात ने भी एक अनोखी पहल की है और वांगी स्पर्धा यानि मिलेट्स से बने व्यंजनों का कॉम्पिटिशन शुरू किया है। इस पहल के जरिए सस्ते और पौष्टिक स्थानीय खान-पान को बढ़ावा दिया जा रहा है। अब तक दो लाख से ज्यादा लोग इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुके हैं। मोटे अनाजों को बढ़ावा देने की यह पहल पोषण के साथ-साथ किसानों को भी फायदा पहुंचा रही है।

पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के प्रयासों को भी सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि वहां टीचर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और बच्चों के माता-पिता एक साथ मिलकर जागरूकता अभियान से जुड़ रहे हैं। स्कूल और समुदाय का यह संगम कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को और मजबूत कर रहा है।

युद्ध का स्वरूप बदल रहा है, सोच को भी लगातार बदलना होगा: सेना प्रमुख



एजेंसी ■ नई दिल्ली

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल देश में हथियार और सैन्य उपकरण बनाना नहीं है। भारत के पास ऐसी क्षमता होनी चाहिए जिससे वह लंबे समय तक चलने वाले युद्ध में अपनी सैन्य ताकत को बनाए रख सके। रविवार को यह बात थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने कही। उन्होंने कहा कि ऐसी क्षमता होनी चाहिए जिससे बदलती जरूरतों के अनुसार सैन्य ताकत को ढाल सके और लगातार मजबूत कर सके।

उन्होंने आज के युद्धों को 'रुक-रुक कर होने वाले युद्ध' बताया है। 'बदलते युद्ध के दौर में आत्मनिर्भरता' विषय पर बोलते हुए थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि युद्ध का स्वरूप, तकनीक और उसकी अवधि तेजी से बदल रही है। इसलिए सैन्य क्षमता के विकास और आत्मनिर्भरता की हमारी सोच को भी लगातार बदलना होगा।

साल 1971 में ढाका में हुए ऐतिहासिक आत्मसमर्पण का जिक्र करते हुए जनरल सेठ ने कहा, 'पिछली सदी के युद्धों की एक और कड़ी थी। 1971 की वह तस्वीर ऐसा ही एक क्षण थी, जब यह साफ था कि युद्ध समाप्त हो

गया है। लेकिन आज के युद्धों में ऐसी स्पष्ट समाप्ति दिखाई नहीं देती। संघर्ष लंबे समय तक चलते हैं और बीच-बीच में भीषण लड़ाई होती रहती है। तकनीक लड़ाइयों की अवधि कम कर सकती है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह युद्धों की अवधि भी कम करे। ये 'रुक-रुक कर होने वाले युद्ध' हैं।

उन्होंने कहा कि सैन्य क्षमता को तैयार करने, विकसित करने, परखने और सेना में शामिल करने में कई वर्ष लगते हैं, जबकि तकनीक बहुत कम समय में बदल जाती है। इसलिए चुनौती केवल स्वदेशी हथियार बनाने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की भी है कि सेना में शामिल होने तक वह तकनीक उपयोगी और आधुनिक बनी रहे।

उन्होंने कहा, 'हर परिस्थिति के लिए एक ही समाधान कारगर नहीं हो सकता। भारतीय सेना समुद्र तल से लेकर अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों तक और अत्यधिक गर्मी से लेकर शून्य से काफी नीचे के तापमान तक काम करती है। इसलिए हमारी सैन्य क्षमताएं भारत स्पष्ट समाप्ति होती थी। 1971 की वह तस्वीर ऐसा ही एक क्षण थी, जब यह साफ था कि युद्ध समाप्त हो

कोई वोट नहीं चोरी हुई, राहुल गांधी का दिमाग चोरी हो गया है: सीएम फडणवीस

एजेंसी ■ नागपुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भले ही संविधान दिखा रहे हैं, लेकिन उनका प्लान कुछ और ही है। उनका मकसद संविधान को सामने रखकर संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, 'राहुल गांधी का मकसद सभी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना और उनके प्रति जनता के मन में अविश्वास पैदा करना है। वे एक ऐसी व्यवस्था बनाना चाहते हैं जिससे लोगों का भरोसा इन संस्थाओं से उठ जाए और देश में अराजकता फैले। जब जनता यह मानने लगेगी कि मौजूदा संवैधानिक व्यवस्था उन्हें न्याय नहीं दे सकती, तब इन सभी संस्थाओं को वामपंथी विचारधारा की ओर धकेल दिया जाएगा। यह राहुल गांधी का एक सुनियोजित डिजाइन है।'

एसआईआर और वोट चोरी के आरोपों पर भी मुख्यमंत्री ने राहुल



गांधी को घेरा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर एसआईआर के जरिए वोट हटाए गए तो टीएमसी कैसे जीती।

सीएम फडणवीस ने कहा, 'मैं एक सवाल पूछना चाहता हूं। पश्चिम बंगाल के चुनाव में जिन क्षेत्रों में एसआईआर के कारण बड़े पैमाने पर वोट कम हुए, ऐसे कम से कम 15 क्षेत्र हैं जहां टीएमसी जीतकर आई। अगर एसआईआर के जरिए भाजपा-विरोधी वोटों को हटाया गया, तो फिर उन क्षेत्रों में टीएमसी कैसे जीतकर आई? उन्होंने कहा कि जहां तक एसआईआर का सवाल है, इसमें सभी

को अवसर मिलता है। हर राजनीतिक दल प्रत्येक बूथ पर अपना बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए नियुक्त कर सकता है और बीएलए को आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है। आप मतदाता सूची के एक-एक पन्ने और एक-एक नाम पर आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

सीएम फडणवीस ने कहा, 'अगर किसी पात्र मतदाता का नाम छूट गया है, तो आप आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति का नाम सूची में नहीं होना चाहिए, तो उस पर भी आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

नेपाल में हिमस्खलन: हिमलुंग बेस कैंप से कई लोग लापता



एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल के मनांग जिले में माउंट हिमलुंग बेस कैंप पर रविवार को आए बर्फाले तूफान (हिमस्खलन) के बाद कई नेपाली एक्सप्लोरिशन गाइड और कर्मचारी लापता हैं। ने कहा, 'हमें जानकारी मिली है कि अभियान से जुड़ी कंपनियों ने यह जानकारी दी है। चढ़ाई शुरू करने से

पहले ये लोग बेस कैंप में रिसर्चिंग लगाने और टेंट लगाने के लिए मौजूद थे।

अभियान से जुड़े आयोजक कंपनी के जनरल मैनेजर बरुन भंडारी ने कहा, 'हमें जानकारी मिली है कि बर्फ खिसकने के बाद हमारे 6 से ज्यादा कर्मचारी लापता हैं, लेकिन

हम इस संख्या की पुष्टि नहीं कर सकते क्योंकि रविवार सुबह अपने एक कर्मचारी से थोड़ी देर बात की थी, हालांकि इसके बाद उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी के 20 से ज्यादा कर्मचारी बेस कैंप वाली टीम का हिस्सा थे। इसी तरह, एक और कंपनी ने भी पुष्टि की कि उसके कुछ कर्मचारी हिमस्खलन का शिकार हुए हैं, लेकिन उन्होंने संख्या नहीं बताई। 'काठमांडू पोस्ट' ने ट्रेकिंग अधिकारियों के हवाले से खबर दी है कि मनांग के नार फू इलाके में हिमलुंग हिमाल पर हिमस्खलन के बाद करीब 14 नेपाली लापता हैं। मनांग जिले के चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर मुक्ति प्रसाद खनल ने कहा कि लापता लोगों की संख्या की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है।

भारतीय आसमान में जुट रही हैं सात देशों की वायु सेनाएं, हवाई शक्ति का प्रदर्शन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत का आसमान अगले कई दिनों तक अलग-अलग देशों के सैन्य विमानों की गतिविधियों का गवाह बनेगा। यह गतिविधियां भारतीय वायुसेना के बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति 2026' के अंतर्गत होने जा रही हैं। 'तरंग शक्ति 2026' का उद्घाटन हो गया है। जोधपुर में इसका ऑपरेशनल चरण शुरू हो रहा है। इस चरण में विभिन्न देशों की वायु सेनाएं एक साथ प्रशिक्षण लेगी और अपने अनुभव साझा करेंगी।

रविवार को भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने यहां विभिन्न वायु सेनाओं के बीच संयुक्तता, अंतर-संचालनीयता और सौहार्द को देखा। वहीं, फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना के उप प्रमुख लोफ्टिनेंट जनरल डोमिनिक टार्डिफ ने अभ्यास निदेशक एयर वाइस मार्शल राज ठाकुर के साथ वार्ता की। इस दौरान भारतीय वायुसेना और फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना के बीच मजबूत संबंधों और बढ़ते सहयोग की पुष्टि हुई।



12 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभ्यास में भारत के साथ सात मित्र देश ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, ताइवान, श्रीलंका और बांग्लादेश हिस्सा ले रहे हैं। इन देशों की भागीदारी अभ्यास को खस लड़ाकू विमान शामिल हैं। इनके अलावा ए400एम, एमआरटीडी, सी-130, सी-130जे और केसी-30ए जैसे विमान भी हिस्सा ले रहे हैं। ये विमान अलग-अलग भूमिकाओं में काम

देखने को मिलेंगी।

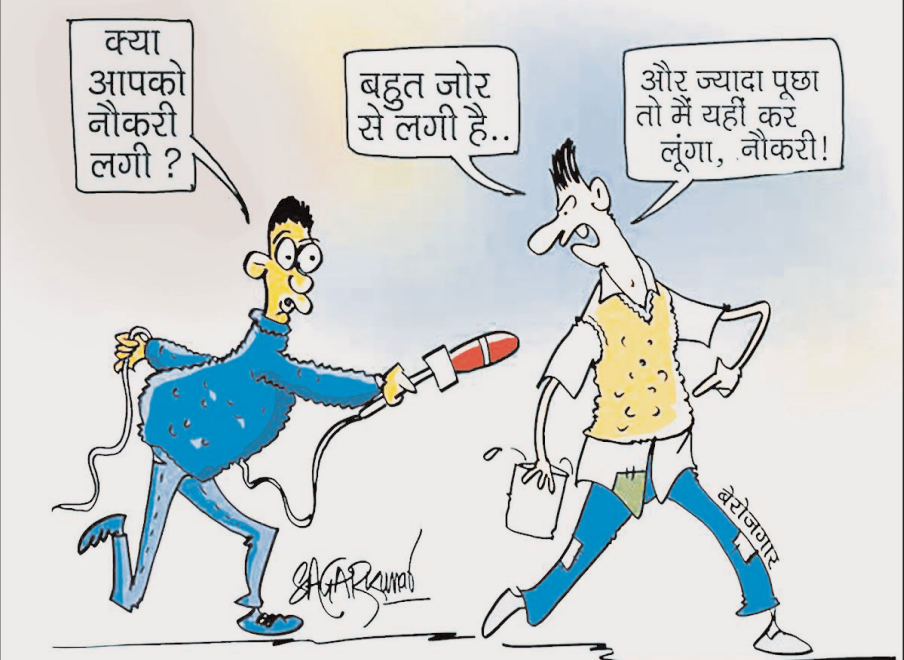
रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस अभ्यास में शामिल विदेशी विमानों की सूची में एफ-35, लाइटनिंग द्वितीय, राफेल और एफ-16 जैसे लड़ाकू विमान शामिल हैं। इनके अलावा ए400एम, एमआरटीडी, सी-130, सी-130जे और केसी-30ए जैसे विमान भी हिस्सा ले रहे हैं। ये विमान अलग-अलग भूमिकाओं में काम

करते हैं। कोई लड़ाकू अभियानों के लिए तैयार किया गया है, तो कोई सैनिकों और सैन्य सामग्री के परिवहन या हवा में दूसरे विमानों को ईंधन देने में सक्षम है। इस तरह तरंग शक्ति केवल विमानों की भागीदारी तक सीमित नहीं है। यह अलग-अलग क्षमताओं वाली वायुसेनाओं को साथ काम करने और अपने अनुभवों से एक-दूसरे को समझने का अवसर भी देता है।

दरअसल आधुनिक हवाई अभियानों में अलग-अलग देशों की सेनाओं के बीच तालमेल महत्वपूर्ण होता है। तरंग शक्ति के दौरान विमान चालक दल, अभियान की योजना बनाने वाले विशेषज्ञ और परिचालन सहायता से जुड़े कर्मी एक साथ काम करेंगे। उनका ध्यान आपसी तालमेल, हवाई सुरक्षा, परिचालन प्रक्रियाओं और अनुभवों के आदान-प्रदान पर रहेगा। इससे भाग लेने वाले देशों को एक-दूसरे की क्षमताओं, काम करने के तरीकों और परिचालन संबंधी सोच को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलेगा।

तीर तेवर

सागर कुमार



राहुल गांधी को चुनाव आयोग और देश से भी माफ़ी मांगनी चाहिए : मुख्यमंत्री साय

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि लगभग सौ बार चुनाव हार चुके कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब बौखलाहट में लगातार देशद्रोही आचरण पर उतारू हो गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुआई में कांग्रेस अब देश की तमाम संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने, लगातार झूठ और फरेब के राजनीति कर देश को बदनाम करने में जुटी हुई है। श्री साय रविवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आहुत पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश के मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त द्वय की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस से यह साबित हो गया है कि आयोग में मतभेद संबंधी कांग्रेस के तमाम दावे न केवल



खोखले हैं, बल्कि जान-बूझ कर देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने और भारत की संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने की राहुल गांधी की सोची-समझी साजिश है। केंद्रीय चुनाव आयोग की संयुक्त प्रेस नोट से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। यह फिर से साबित हो गया है कि कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ झूठ, सनसनी और भ्रम फैलाने का काम

कर रही है। उसका झूठ फिर से बेनकाब हो गया है। श्री साय ने कहा कि अपने संयुक्त बयान में आयोग ने यह स्पष्ट किया है कि एसआईआर समेत सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए। भारत के चुनाव आयोग की दुनियाभर में साख है। उसकी निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना विपक्ष की हताशा का प्रतीक है। कांग्रेस को

ऐसी हरकतों से बाज आना चाहिए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस संबंध में अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट भी कोरी कल्पना के अलावा कुछ नहीं है। समाचार में कैबिनेट सेक्रेटरी को लिखे जिस पत्र का जिक्र है, वह न तो किसी किसी नीतिगत विषय से संबंधित है, न ही एसआईआर से संबंधित। वह सामान्य प्रशासकीय विषय था। वैसे भी चुनाव आयोग सीधे राष्ट्रपति के

पक्ष में निर्णय आ चुका है, फिर भी कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की नाकाम कोशिश करती रहती है। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय तथ्यों का सम्मान करना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जब भी कांग्रेस जनता की अदालत में पराजित होती है, वह अपनी खोझ और हताशा निकालने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप मढ़ने लगती है। निर्वाचन आयोग के स्पष्ट और कड़े वक्तव्य ने विपक्ष के सभी झूठ और दुर्भावनापूर्ण प्रोपेगेंडा की हवा निकाल दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों डॉ. एस. एस. संघू एवं डॉ. विवेक जोशी ने शनिवार को बैठक कर एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी किया जिसमें यह स्पष्ट कर दिया गया है।



विश्व केसरी■
रायपुर। वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकों और बेहतर कार्य करने वाले अग्रणी जिला प्रबंधकों (एलडीएम) को सम्मानित किया गया। साथ ही, अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का कवरेज बढ़ाने के लिए जिलेवार जागरूकता अभियान चलाने, अधिकाधिक पात्र नागरिकों का नामांकन कराने और ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों में बैंक शाखाओं तथा ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया।

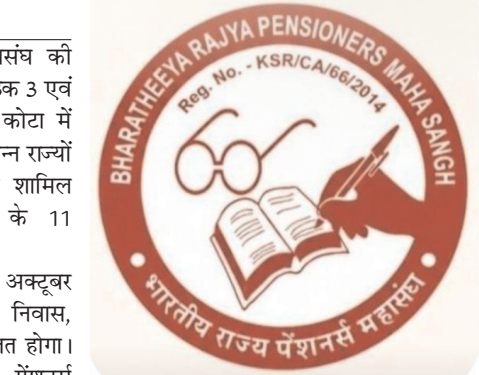
यह निर्णय रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय एपीवाई आउटरीच कार्यक्रम में लिया गया। पेंशन फंड

नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), छत्तीसगढ़ के संयुक्त आयोजन में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, जन-जागरूकता और नामांकन बढ़ाने पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में पीएफआरडीए के मुख्य महाप्रबंधक प्रवेश कुमार, एसएलबीसी छत्तीसगढ़ के संयोजक एवं उप महाप्रबंधक दीपक कुमार अभिषेक, सदस्य बैंकों के राज्य स्तरीय प्रमुख, एलडीएम और सीएसपी प्रतिनिधि शामिल हुए। अधिकारियों ने योजना की पात्रता, अंशदान और पेंशन लाभों की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया।

कोटा में जुटेगे पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी छत्तीसगढ़ से 11 पदाधिकारी होंगे शामिल

विश्व केसरी■
रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की राष्ट्रीय कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक 3 एवं 4 अक्टूबर 2026 को राजस्थान के कोटा में आयोजित होगी। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ से भी महासंघ के 11 पदाधिकारी इसमें भाग लेंगे।

बैठक का प्रथम दिन शनिवार 3 अक्टूबर को दिगंबर जैन मंदिर के पास संत निवास, महावीर नगर द्वितीय, कोटा में आयोजित होगा। बैठक की अध्यक्षता भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. सी. एच. सुरेश, केरल करेंगे। इस दौरान विभिन्न राज्यों में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही अयोध्या में संपन्न राष्ट्रीय अधिवेशन की समीक्षा तथा आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन की तिथि, राज्य एवं स्थान निर्धारित करने पर विचार-विमर्श होगा। राष्ट्रीय वार्षिक



सम्मेलन के आयोजन को लेकर भी चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के दूसरे दिन रविवार 4 अक्टूबर को रामपुरा, कोटा स्थित सब्जी मंडी के पास गीता भवन में विशेष कार्यक्रम होगा। यहां अयोध्या राष्ट्रीय अधिवेशन के उपलक्ष्य पर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ

द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कर-कमलों से किया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक संदीप शर्मा भी उपस्थित रहेंगे।

छत्तीसगढ़ से बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव के अगुवाई में श्रीमती द्रौपदी यादव (पत्थलगांव, जशपुर), बी. के. वर्मा, पी. आर. साहू (दुर्ग), जे. पी. मिश्रा, अनिल गोल्हानी, टी. पी. सिंह, बी. एस. दसगरे, एम. एन. पाठक (रायपुर), रामनारायण ताटी (जगदलपुर) तथा एस. सी. श्रीवास्तव (कांकेर) शामिल होंगे। प्रतिनिधिमंडल 1 अक्टूबर को भगत की कोठी से कोटा के लिए रवाना होगा।

महासंघ की ओर से जारी संयुक्त विज्ञापि में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ रायपुर संभाग के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सिन्हा एवं जिला रायपुर के अध्यक्ष आर. जी. बोहरे ने उक्त जानकारी दी।

बीटीआई ग्राउंड में संकल्प नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव की तैयारियों का भूमिपूजन



विश्व केसरी■
रायपुर। राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित बी.टी.आई. ग्राउंड में इस वर्ष संकल्प नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव समिति द्वारा भव्य नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों का शुभारंभ विधि,विधान एवं पूजा,अर्चना के साथ भूमिपूजन कर किया गया।

समिति के संयोजक एवं

छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस उत्सव में मां दुर्गा की आराधना के साथ पारंपरिक रास गरबा का आयोजन किया जाएगा। भूमिपूजन के अवसर पर समिति के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

भूमिपूजन के साथ ही

बी.टी.आई. ग्राउंड में होने वाले नवरात्रि उत्सव की तैयारियों का औपचारिक रूप से शुभारंभ हो गया है। आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए समिति द्वारा विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर कार्ययोजना तैयार की जा रही है। श्रद्धालुओं एवं गरबा प्रेमियों की सुविधाएं कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाएं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों सहित अन्य आवश्यक तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस अवसर पर समिति के संयोजक संजय श्रीवास्तव ने कहा कि नवरात्रि हमारी सनातन संस्कृति और आस्था का महापर्व है। मां दुर्गा की आराधना हमें शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देती है।

तीन दिवसीय ‘यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्वलेव’ का शुभारंभ आज राज्यपाल डेका करेंगे शुभारंभ, मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री भी रहेंगे मौजूद

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवाओं में नवचार, उद्यमिता विकास एवं प्रौद्योगिकी के व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्वलेव 2026' का कल सोमवार 28 सितम्बर को राज्यपाल रमन डेका शुभारंभ करेंगे। शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। इस अवसर पर कृषि विकास किसान कल्याण एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम तथा विधायक द्वय मोतीलाल साहू एवं अनुज शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद



रहेंगे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि मंडपम में 28 से 30 सितम्बर तक 'छत्तीसगढ़ यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्वलेव 2026' का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

एवं स्टार्टअप प्रदर्शनी' भी आयोजित की जाएगी तथा कॉन्वलेव के दौरान आयोजित पिचिंग सत्र में शामिल शीर्ष तीन स्टार्टअप्स को क्रमशः एक लाख रुपये, पचहत्तर हजार रुपये तथा पचास हजार रुपये की राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रथम एवं एकमात्र बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर-केंद्रित सुभाष चंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ भी किया जाएगा। यूथ कॉन्वलेव 2026 को लेकर छत्तीसगढ़ के युवाओं में जबरदस्त उत्साह है और अब तक 1200 से अधिक युवा छात्रों, नवाचारी उद्यमियों एवं स्टार्टअप के आकांक्षी

युवाओं ने पंजीयन करा लिया है। यूथ कॉन्वलेव में शामिल होने के इच्छुक युवाओं के लिए कल 28 सितम्बर को स्पॉट पंजीयन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। 'यूथ कॉन्वलेव 2026' नवाचार अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, स्टार्टअप एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय पहल है। कॉन्वलेव के माध्यम से प्रदेश के युवाओं, शोधार्थियों, शोधार्थियों, स्टार्टअप्स, उद्यमियों, निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों, इनक्यूबेटर्स, शिक्षाविदों तथा विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया जाएगा।

छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल एवं रायपुर डाक संभाग ने नरैया तालाब में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान



विश्व केसरी■
रायपुर। स्वच्छ भारत अभियान 6.0 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल एवं रायपुर डाक संभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज रायपुर के नरैया तालाब परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा

साथ मिलकर श्रमदान किया तथा नरैया तालाब परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए लोगों को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर श्री एन. के. राजपाल, सहायक निदेशक, छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पत्नी पर चरित्र शंका, गुस्साए पति ने दो मासूम समेत पत्नी को मार डाला

विश्व केसरी■
रायपुर। रायपुर के माना थाना क्षेत्र में देर रात एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या से सनसनी फैल गई। डूमतराई के साहू पारा में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी और दो नाबालिग बच्चों पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमले में तीनों की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने खुद पर भी चाकू से वार कर

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान भुनेश्वर साहू उम्र 34 वर्ष के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बालोद जिले का रहने वाला बताया जा रहा है और डूमतराई के साहू पारा में रह रहा था। शुरुआती जांच के मुताबिक देर रात विवाद के बाद उसने पहले अपनी पत्नी खिलेश्वरी साहू पर हमला किया।

10 और 8 साल के बच्चों की भी मौत



पुलिस के मुताबिक पत्नी पर हमला करने के बाद आरोपी ने अपने दोनों बच्चों को भी निशाना बनाया। मृत बच्चों की पहचान आशीष साहू उम्र 10 वर्ष और ज्ञान साहू उम्र 8 वर्ष के रूप में हुई है। धारदार हथियार से किए गए हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई।

वारदात के बाद खूद पर किया हमला

तीनों पर हमला करने के बाद आरोपी भुनेश्वर साहू ने खुद को भी चाकू मार लिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सुबह पड़ोसियों को

घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची माना थाना पुलिस ने आरोपी को घायल अवस्था में पाया और उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

अंबेडकर अस्पताल में आरोपी का इलाज जारी

पुलिस ने घायल आरोपी को उपचार के लिए रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में भर्ती कराया है। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। पुलिस की निगरानी में उसका उपचार कराया जा रहा है। वहीं मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

पत्नी के चरित्र पर शक की बात सामने आई

प्रारंभिक जांच में पत्नी के चरित्र पर शक को वारदात की वजह बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस ने अभी मामले के सभी पहलुओं की जांच पूरी नहीं की है।

बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी, शोएब डेबर को जमानत

विश्व केसरी■
रायपुर। रायपुर में कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी मिली है। इस मामले में पुलिस ने शराब कारोबारी अनवर डेबर के बेटे शोएब डेबर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां उन्हें जमानत मिल गई है। इसके अलावा बीजेपी नेता के भांजे टीनू भारद्वाज को भी थाने बुलाया गया था।

मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए कुछ और युवकों को थाने बुलाया था। इससे पहले पुलिस ने जांजगीर-चांपा के एक युवक को गिरफ्तार किया था। आरोपी होटल में सिक्योरिटी गार्ड है।



आरोप है कि उससे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर आनंद कुकरेजा को फोन करवाया गया था। 25 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। आरोप है कि इंटरनेट कॉल करने के लिए शोएब डेबर ने हॉटस्पॉट दिया था। इस मामले में जांच अभी जारी है।

पूछताछ के बाद पुलिस ने शोएब डेबर को अरेस्ट किया, पूछताछ के बाद जमानत दे दी गई है। रविवार दोपहर आनंद कुकरेजा तेलीबांधा थाने पहुंचे। दोनों आरोपियों को

दौरान शोएब डेबर का नाम सामने आया। ऐसे में रायपुर पुलिस ने शनिवार रात शोएब डेबर को हिरासत में लिया था।

जांच का दायरा बढ़ाते हुए पुलिस ने बीजेपी नेता के भांजे टीनू भारद्वाज को भी हिरासत में लिया। इसके अलावा पुलिस ने होटल के 3 कर्मचारियों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि धमकी देने की साजिश में क्या शोएब डेबर की कोई भूमिका थी। इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पूर्व महापौर से भी बिश्नोई गैंग के नाम पर 50 करोड़ मांगे गए हैं।

इससे पहले पूर्व महापौर से भी 50 करोड़ मांगे थे इससे पहले बिश्नोई गैंग और अमन साव गैंग के नाम से पूर्व महापौर एजाज डेबर से भी 50 करोड़ रुपए की मांग की गई थी। इस मामले में एजाज डेबर ने कोतवाली थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। पुलिस अब दोनों मामलों के बीच किसी तरह का कनेक्शन है या नहीं, इसकी भी जांच कर रही है। फिलहाल, पुलिस से पूछताछ से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

वन विभाग के टीम ने वन्य प्राणियों के अवशेष पकड़े

विश्व केसरी■
रायपुर। डब्ल्यूसीसीबी, डीआरआई, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व (यूपएसटीआर) और अलापल्ली वन डिवीजन की संयुक्त टीम ने महाराष्ट्र-तेलंगाना के पास जमेल्ला क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। 26 सितंबर को गुप्त सूचना के आधार पर इस कार्रवाई में छह बदमाशों को हिरासत में लिया गया।

कार्रवाई के दौरान टीम ने दो जीवित पेंगोलिन का पता लगाया, जिसमें एक मां और उसका नवजात बच्चा भी शामिल हैं, साथ में 43 बाघों की हड्डियां, दो बाघों के कुत्ते के दांत और तीन मोटरसाइकिलें भी शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कथित तौर पर मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल अवैध रूप से पदार्थों के परिवहन में किया जा रहा था।

सरसीवां सराईपाली सड़क मार्ग की हालत जर्जर, राहगीर हलाकान-परेशान

गड्डों में जमा बारिश का पानी, जोखिम और दुर्घटना की आशंका

विश्व केसरी

भटगांव (रामदास कुरै)। सरसीवां क्षेत्र में लगातार हो रहे बारिश से सरसीवां से सराईपाली सड़क मार्ग की स्थिति चिंताजनक व दयनीय बन गया है सरसीवां सराईपाली सड़क मार्ग पर राहगीरों के लिये सफर करना कठिन और जोखिम भरा बना हुआ है। सरसीवां से डोगरीपाली सीमा तक का सड़क मार्ग इन दिनों बड़े बड़े गड्डों में तब्दील हो गया है। इस मार्ग में सफर करने वाले राहगीर सड़क मार्ग के बड़े बड़े गड्डे होने का तकलीफ बयां नहीं कर पा रहे हैं। सड़क मार्ग से मोटरसाइकिल सवार अपने परिवार वालों के साथ सफर करते वक्त डरें सहमें रहते हैं आये दिन सड़क पर बने गड्डे से दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त होकर चोटिल हो रहे हैं। जबकि सरसीवां से सरायपाली सड़क मार्ग के गांव मुडुभार ,टाटा ,मनपसार, नारबंद, हरदी से घरजरा सीमा तक की सड़कें बेहद खराब हो गये हैं।और सड़क गड्डे में तब्दील हो गये है। जबकि क्षेत्र में लगातार बारिश होने से सराईपाली सड़क मार्ग पर



बड़े बड़े गड्डे बन होने और गड्डे पर पानी जमा होने से सड़क का नामोनिशान मिट गया है और सड़क पर गड्डे ही नजर आते हैं। जहां सड़क के गड्डे से नजर हटती तो दुर्घटना होने की संभावना बढ़ जाती है। जबकि शासकीय आत्मानंद हाईस्कूल गाताडीह स्कूल गेट के सामने का सड़क पर बड़े बड़े गड्डे होने से स्कूली विद्यार्थियों को स्कूल अन्दर और बाहर निकलने वक्त बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।। सरसीवां

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। गणेशोत्सव के पवन अवसर पर ग्राम अमलोर विकास की नई सीमांतों से सराबोर हो गया। शुक्रवार को आयोजित विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू ने उपस्वास्थ्य केंद्र एवं सीसी रोड का भूमिपूजन तथा टीना शेड का लोकार्पण किया। एक ही कार्यक्रम में स्वास्थ्य, सड़क और सार्वजनिक सुविधा से जुड़े कार्यों की शुरुआत से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत छुरा अध्यक्ष मीरा ठाकुर ने की।

आतिशबाजी और रावत नाच से हुआ जोरदार स्वागत – विधायक रोहित साहू के अमलोर

विश्व केसरी

सिन्हा, फणीकेश्वर विद्यालय अध्यक्ष राजू साहू, सरपंच पुरुष राम ध्रुव, उपसरपंच दशरथ लाल बरिहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

‘गरीब किसान-मजदूर का बेटा हूँ, जनप्रतिनिधियों की पीढ़ा को करीब से समझता हूँ’ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रोहित साहू ने कहा कि वे एक गरीब किसान-मजदूर परिवार से आते हैं और स्वयं पंच, सरपंच तथा जिला पंचायत सदस्य के रूप में जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जब किसी व्यक्ति को अपना प्रतिनिधि चुनते हैं तो उनसे गांव के विकास और समस्याओं के समाधान की उम्मीद रखते हैं।

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। नवापारा क्षेत्र में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए सामाजिक संगठनों और समाजजनों ने सेवा का हाथ बढ़ाया है। इसी क्रम में सिंध समाज नवापारा ने बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन एवं राहत सामग्री की व्यवस्था कर मानवीय संवेदना का परिचय दिया।

सिंध समाज द्वारा झूलैलाल मंदिर में बाढ़ कि राहत शिविरों में रह रहे लोगों को समय पर प्रभावित लोगों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जहां पीड़ितों को सम्मानपूर्वक बैठकर भोजन कराया गया। संकट की इस घड़ी में भोजन की व्यवस्था मिलने से बाढ़ प्रभावित ने लोगों को काफी राहत मिली। वहीं, सिंधी गुरुद्वारा, गंज रोड से भोजन तैयार कराकर परिवारों के साथ खड़ा होना ही सबसे बड़ी सेवा है। राहत एवं सेवा कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता का सिलसिला आगे भी जारी रखने का प्रयास किया जाएगा।

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। ग्राम नारायणपुर में 3 अक्टूबर को कोंडागांव में आयोजित होने वाली महारैली एवं आंदोलन को लेकर क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में बड़ी संख्या में समाज के महिला, पुरुष, युवक एवं युवतियों ने भाग लिया।

बैठक में आगामी 3 अक्टूबर को कोंडागांव पहुंचने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। समाज के अधिकारों और मांगों को मजबूती से उठाने के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हर घर से कम से कम एक सदस्य कोंडागांव की महारैली में शामिल होगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि समाज की एकजुटता और सहभागिता से ही संगठन को मजबूत बनाया जा सकता है। महिला, युवा और पुरुष सभी वर्गों की करने का निर्णय भी लिया गया। 3 अक्टूबर को कोंडागांव में होने वाली महारैली को सफल बनाने के लिए समाज के लोगों ने एकजुट होकर भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक प्रेम प्रकाश झा के जगदलपुर में निधन की सूचना सामने आई है। बताया जा रहा है कि वे कार्य से जगदलपुर गए हुए थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल से गिरने के कारण वे घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। उपनिरीक्षक प्रेम प्रकाश झा शांत एवं मिलनसार स्वभाव के अधिकारी के रूप में पुलिस विभाग और स्थानीय लोगों के बीच जाने जाते थे। उनके आकस्मिक निधन की खबर से पुलिस महकमे में शोक की लहर है।

अमलोर में विधायक रोहित साहू ने दी विकास की सौगात

बाढ़ पीड़ितों की सेवा में जुटा सिंध समाज

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। गणेशोत्सव के पवन अवसर पर ग्राम अमलोर विकास की नई सीमांतों से सराबोर हो गया। शुक्रवार को आयोजित विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू ने उपस्वास्थ्य केंद्र एवं सीसी रोड का भूमिपूजन तथा टीना शेड का लोकार्पण किया। एक ही कार्यक्रम में स्वास्थ्य, सड़क और सार्वजनिक सुविधा से जुड़े कार्यों की शुरुआत से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत छुरा अध्यक्ष मीरा ठाकुर ने की।

आतिशबाजी और रावत नाच से हुआ जोरदार स्वागत – विधायक रोहित साहू के अमलोर

विश्व केसरी

सिन्हा, फणीकेश्वर विद्यालय अध्यक्ष राजू साहू, सरपंच पुरुष राम ध्रुव, उपसरपंच दशरथ लाल बरिहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

‘गरीब किसान-मजदूर का बेटा हूँ, जनप्रतिनिधियों की पीढ़ा को करीब से समझता हूँ’ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रोहित साहू ने कहा कि वे एक गरीब किसान-मजदूर परिवार से आते हैं और स्वयं पंच, सरपंच तथा जिला पंचायत सदस्य के रूप में जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जब किसी व्यक्ति को अपना प्रतिनिधि चुनते हैं तो उनसे गांव के विकास और समस्याओं के समाधान की उम्मीद रखते हैं।

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। नवापारा क्षेत्र में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए सामाजिक संगठनों और समाजजनों ने सेवा का हाथ बढ़ाया है। इसी क्रम में सिंध समाज नवापारा ने बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन एवं राहत सामग्री की व्यवस्था कर मानवीय संवेदना का परिचय दिया।

सिंध समाज द्वारा झूलैलाल मंदिर में बाढ़ कि राहत शिविरों में रह रहे लोगों को समय पर प्रभावित लोगों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जहां पीड़ितों को सम्मानपूर्वक बैठकर भोजन कराया गया। संकट की इस घड़ी में भोजन की व्यवस्था मिलने से बाढ़ प्रभावित ने लोगों को काफी राहत मिली। वहीं, सिंधी गुरुद्वारा, गंज रोड से भोजन तैयार कराकर परिवारों के साथ खड़ा होना ही सबसे बड़ी सेवा है। राहत एवं सेवा कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता का सिलसिला आगे भी जारी रखने का प्रयास किया जाएगा।

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। ग्राम नारायणपुर में 3 अक्टूबर को कोंडागांव में आयोजित होने वाली महारैली एवं आंदोलन को लेकर क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में बड़ी संख्या में समाज के महिला, पुरुष, युवक एवं युवतियों ने भाग लिया।

बैठक में आगामी 3 अक्टूबर को कोंडागांव पहुंचने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। समाज के अधिकारों और मांगों को मजबूती से उठाने के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हर घर से कम से कम एक सदस्य कोंडागांव की महारैली में शामिल होगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि समाज की एकजुटता और सहभागिता से ही संगठन को मजबूत बनाया जा सकता है। महिला, युवा और पुरुष सभी वर्गों की करने का निर्णय भी लिया गया। 3 अक्टूबर को कोंडागांव में होने वाली महारैली को सफल बनाने के लिए समाज के लोगों ने एकजुट होकर भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

आकाश महंती बने समस्या निवारण प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष

3 अक्टूबर कोंडागांव महारैली को लेकर हुई बैठक

विश्व केसरी

पिथौरा (नीशू माटा)। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष द्वारकाधीश यादव पूर्व विधायक बसना देवेंद्र बहादुर के अनुशंसा पर जिलाध्यक्ष दिलीप जैन ने कांग्रेस संगठन के प्रति वर्षों से समर्पित एवं सक्रिय रूप से कार्य कर रहे आकाश महंती को असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ, पिथौरा ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति की से कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं शुभचिंतकों में उत्साह का माहौल है।

ज्ञात हो आकाश महंती लंबे समय से कांग्रेस कमेटी के प्रति समर्पित रहकर संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। पार्टी के कार्यक्रमों में सहभागिता के साथ-साथ वे स्थानीय स्तर पर आम लोगों से जुड़े मुद्दों को लेकर भी सक्रिय रहे हैं। संगठन के प्रति उनकी निरंतर सक्रियता और समर्पण को देखते हुए उन्हें

विश्व केसरी

और संगठन से जोड़ने की भी चुनौती रहेगी। नियुक्ति पर आकाश महंती ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष द्वारकाधीश सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता के साथ निर्वहन करेंगे। असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाना उनका प्रयास रहेगा।

आकाश महंती की नियुक्ति पर प्रमुख रूप सेपूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष आत्माराम यादव पूर्व जनपद अध्यक्ष मुकेश यादव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष करण दीवान नरेंद्र सेन रंजीत कोसरिया अरविंदर छाबड़ा नंदू राजपूत कोशल रोहिल्ला आशु अग्रवाल मिनकू अजमानी कनक तिवारी प्रफुल राजपूत टेकु साहू स्वर्ण पांडेय गोपाल पांडे गौतम साहू शैलू डड्डेना मनोष अग्रवाल तरुण पांडे युगल यादव चीनी जमीनी स्तर पर मजबूत करने तथा अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस की विचारधारा

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। ग्राम नारायणपुर में 3 अक्टूबर को कोंडागांव में आयोजित होने वाली महारैली एवं आंदोलन को लेकर क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में बड़ी संख्या में समाज के महिला, पुरुष, युवक एवं युवतियों ने भाग लिया।

बैठक में आगामी 3 अक्टूबर को कोंडागांव पहुंचने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। समाज के अधिकारों और मांगों को मजबूती से उठाने के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि हर घर से कम से कम एक सदस्य कोंडागांव की महारैली में शामिल होगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि समाज की एकजुटता और सहभागिता से ही संगठन को मजबूत बनाया जा सकता है। महिला, युवा और पुरुष सभी वर्गों की करने का निर्णय भी लिया गया। 3 अक्टूबर को कोंडागांव में होने वाली महारैली को सफल बनाने के लिए समाज के लोगों ने एकजुट होकर भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक प्रेम प्रकाश झा के जगदलपुर में निधन की सूचना सामने आई है। बताया जा रहा है कि वे कार्य से जगदलपुर गए हुए थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल से गिरने के कारण वे घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। उपनिरीक्षक प्रेम प्रकाश झा शांत एवं मिलनसार स्वभाव के अधिकारी के रूप में पुलिस विभाग और स्थानीय लोगों के बीच जाने जाते थे। उनके आकस्मिक निधन की खबर से पुलिस महकमे में शोक की लहर है।

तेज बारिश के बीच हुई शिवरीनारायण में गंगा आरती

बढ़ते जलस्तर और बाढ़ के खतरे के बीच श्रद्धा का दिखा अद्भुत नजारा, आस्था के आगे मुश्किलें भी हुईं बौनी

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी का जलस्तर लगातार बढ़ने और नदी के रौद्र रूप धारण करने के बावजूद धर्मनगरी शिवरीनारायण में आस्था की लौ नहीं बुझी। बाढ़ की आशंका और प्रशासन की सतर्कता के बीच शनिवार को महानदी तट पर होने वाली गंगा आरती श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुई।

महानदी का जलस्तर बढ़ने से नदी का प्रवाह तेज हो गया है। सुरक्षा के मद्देनजर महानदी पुल पर आवागमन भी बंद कर दिया गया है। इसके बावजूद गंगा आरती के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में कमी नहीं आई। नदी के तट पर विधिवत पूजा-अर्चना और आरती की गई।

गंगा आरती के दौरान वातावरण

विश्व केसरी

भक्तिमय नजर आया। तेज बहाव और नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच आरती के

विश्व केसरी

इधर, महानदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन और नगर पंचायत द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है और राहत एवं बचाव व्यवस्था को भी अलर्ट रखा गया है। प्रशासन ने लोगों से नदी के आसपास अनावश्यक रूप से नहीं जाने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

आस्था और सावधानी का संगमः महानदी जहां अपने रौद्र रूप में दिखाई दे रही है, वहीं शिवरीनारायण में गंगा आरती का जारी रहना यहां की धार्मिक आस्था और परंपरा की गहराई को दर्शाता है। हालांकि, बढ़ते जलस्तर के बीच श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देना भी जरूरी है।

नवोदय में प्रिया साहू का चयन, सिंधौरी स्कूल के चार बच्चों ने रचा गौरव

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। शासकीय प्राथमिक शाला सिंधौरी की प्रतिभावान छात्रा कुमारी प्रिया साहू, पिता सुरेश साहू एवं माता मालती साहू, का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय पाण्डुका के लिए हुआ है। प्रिया वर्तमान में दक्षिणामूर्ति विद्यालय, राजिम में अध्ययनरत हैं। प्रधान पाठक नंद कुमार सिन्हा ने बताया कि सत्र 2026 में विद्यालय से कुल चार विद्यार्थियों का नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है। इनमें त्रिशाली ध्रुव, भूपेंद्र बर्मा, डिम्पल वर्मा और प्रिया साहू शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 से विद्यालय के विद्यार्थियों का लगातार नवोदय एवं एकलव्य विद्यालयों में चयन हो रहा है। विद्यार्थियों की



सफलता का श्रेय नियमित मॉनिटरिंग, साप्ताहिक टेस्ट, पालकों के सहयोग और अधिकारियों के मार्गदर्शन को दिया। प्रिया के चयन पर बीईओ एच.के. साहू सहित जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने हर्ष जताते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संपादकीय

एससी/एसटी एक्ट 1989: सामाजिक न्याय और दुरुपयोग की बहस



डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में सामाजिक न्याय की बहस जितनी पुरानी है, उतनी ही संवेदनशील भी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विरुद्ध भेदभाव, सामाजिक अपमान और हिंसा की घटनाओं ने स्वतंत्र भारत के सामने लंबे समय से गंभीर चुनौती रखी है। इसी पृष्ठभूमि में एससी/एसटी एक्ट, 1989 अस्तित्व में आया। लेकिन तीन दशक से अधिक समय बाद यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि इस

कानून ने अपने मूल उद्देश्य को किस सीमा तक पूरा किया है और क्या पीड़ितों की सुरक्षा के साथ निर्दोष व्यक्तियों के अधिकारों की पर्याप्त रक्षा हो रही है। 1989 में इस कानून को बनाने के पीछे तत्कालीन सरकार ने स्पष्ट कारण बताए थे। विधेयक के उद्देश्य और कारणों में कहा गया था कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग विभिन्न प्रकार के सामाजिक अपमान, हिंसा, भूमि से बेदखली, जबरन मजदूरी तथा अन्य अत्याचारों के प्रति संवेदनशील बने हुए थे। सरकार के अनुसार उस समय उपलब्ध नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 तथा सामान्य डंड कानून इन अपराधों को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं थे। इसी कारण एक विशेष कानून की आवश्यकता महसूस की गई। इसलिए उपलब्ध सरकारी अभिलेखों के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि एससी/एसटी एक्ट बिना किसी विशेष कारण अचानक बनाया गया था।

11 सितंबर 1989 को यह अधिनियम पारित हुआ और 30 जनवरी 1990 से लागू हुआ। इसका घोषित उद्देश्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के विरुद्ध अत्याचारों को रोकना, ऐसे मामलों के लिए विशेष न्यायालयों की व्यवस्था करना तथा पीड़ितों को राहत और पुनर्वास उपलब्ध करना था। लोकोतांत्रिक व्यवस्था में कमजोर वर्गों को कानूनी संरक्षण देना राज्य की जिम्मेदारी है और इस दृष्टि से इस कानून की आवश्यकता को समझा जा सकता है।

हालाँकि, कानून की आवश्यकता और उसके संभावित दुरुपयोग पर बहस दो अलग-अलग प्रश्न हैं। किसी भी कठोर कानून में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वास्तविक पीड़ित को तत्काल संरक्षण मिले, लेकिन किसी निर्दोष व्यक्ति को केवल आरोप लग जाने के कारण अन्याय का सामना न करना पड़े। एससी/एसटी एक्ट के कुछ प्रावधानों को लेकर समय-समय पर न्यायपालिका के सामने भी यही प्रश्न आया और गिरफ्तारी तथा प्रारंभिक जाँच की प्रक्रिया पर न्यायिक विचार हुआ। बाद में संसद ने कानून में संबंधित संशोधन भी किए।

इस कानून को लेकर एक आम धारणा यह भी है कि झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति को सरकार की ओर से पैसा, मकान या नौकरी देने का प्रावधान है। वास्तव में कानून और उसके नियमों में राहत एवं पुनर्वास की व्यवस्था अत्याचार के पीड़ितों के लिए है। इसे झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति के लिए पुरस्कार के रूप में प्रस्तुत करना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। इसलिए इस विषय पर बहस करते समय पीड़ित को मिलने वाली वैधानिक राहत और झूठी शिकायत के संभावित दुरुपयोग को अलग-अलग समझना आवश्यक है।

फिर भी यदि किसी कानून का उपयोग व्यक्तिगत दुश्मनी, संपत्ति विवाद, स्थानीय संघर्ष या अन्य दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाता है, तो ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जाँच आवश्यक है। किसी भी कानून का दुरुपयोग उसकी मूल भावना को कमजोर कर सकता है और समाज में कानून के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, केवल कुछ मामलों में दुरुपयोग की आशंका के आधार पर उन वास्तविक पीड़ितों की समस्याओं को नकारना भी उचित नहीं होगा जिनके लिए कानून बनाया गया है। इसलिए समाधान कानून को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन को अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना होना चाहिए।

एससी/एसटी एक्ट को लेकर राजनीतिक बहस भी लगातार होती रही है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि यह कानून राजीव गांधी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में बनाया गया था। लेकिन उपलब्ध आधिकारिक विधायी दस्तावेजों से यह निष्कर्ष निकालना कि कानून का उद्देश्य हिंदू समाज को तोड़ना या जातीय संघर्ष पैदा करना था, प्रमाणित नहीं होता। किसी राजनीतिक दल की मंशा पर निष्कर्ष निकालने के लिए उसके निर्णयों, दस्तावेजों और प्रमाणित ऐतिहासिक साक्ष्यों का अध्ययन आवश्यक है। राजनीतिक आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन आलोचना और प्रमाणित तथ्य के बीच अंतर बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

भारत का सामाजिक ढाँचा विविध और जटिल है। जाति आधारित भेदभाव का इतिहास वास्तविक है और उसे नकारकर सामाजिक न्याय की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। लेकिन इसी के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कानून किसी निर्दोष व्यक्ति के लिए भय का कारण न बने। सामाजिक न्याय का अर्थ किसी एक सामाजिक समूह के विरुद्ध दूसरे समूह को खड़ा करना नहीं हो सकता।

राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कोड़ी है लैंगिक समानता



डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विश्व आर्थिक मंच डब्ल्यूएफ

द्वारा इसी 16 सितंबर, 2026 को जारी 20 वीं ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप रिपोर्ट 2026 से एक बात तो साफ हो गई है कि राजनीति में अभी तो सत्ता में महिलाओं की पुरुषों के समान भागीदार दूर की कोड़ी ही है। जेंडर गैप की हालिया रिपोर्ट में सबसे रौचक और चिंताजनक जानकारी यह सामने आई है कि संसद में भले ही महिलाओं की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत हो गई हो पर मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी केवल 5.9 प्रतिशत रह गई है। सबसे मजे की बात यह है कि 2019 की तुलना में मंत्रिमंडल में महिलाओं की उच्चतम स्तर 30 प्रतिशत की भागीदारी की तुलना में बहुत कम हो गई है। यह सब तो तब है जब केन्द्र सरकार 2023 में महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। हालांकि यह भी अभी तो राजनीति की भेंट ही चढ़ा हुआ है। यह इसलिए भी एलार्मिंग हो जाती है कि लैंगिक समानता की बात दुनिया के देशों द्वारा विभिन्न मंचों

पर चढ़-चढ़ कर कितनी भी की जाए परिणाम अभी तक अधिक सकारात्मक प्राप्त नहीं हुए हैं। आइसलैंड, फिनलैंड, नार्वे आदि अवश्य लैंगिक गैप को कम करने में कुछ हद तक सफल रहे हैं। निराशा होने की बात इसलिए नहीं है कि शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में लैंगिक गैप में लगातार सुधार देखा जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी में सुधार देखा जा रहा है। विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्ल्यूएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरु किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रैंक 131 वीं है। हालांकि बीस सालों में रैंक में सुधार हुआ है। संस्था द्वारा जेंडर लैंगिक स्थिति का अध्ययन के लिए चार मानक बनाए हुए हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और सरवाइवल, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं भागीदारी और राजनीति सशक्तिकरण चार ऐसे क्षेत्र हैं जिनके माध्यम से दुनिया के देशों में महिलाओं की वैश्विक स्थिति का अध्ययन किया जाता है। जहां तक भारत की बात है देखा जाए तो जेंडर लैंगिक गैप की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल के क्षेत्र में भारत में स्थिति बेहतर है। शिक्षा के क्षेत्र में यह 96.6 प्रतिशत और स्वास्थ्य और उत्तरजीवितता में

95.6 प्रतिशत का आंकड़ा है। इसे निश्चित रूप से सकारात्मक माना जाता है। इसका साफ साफ अर्थ यह हो जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल क्षेत्र में

हिस्सेदारी 39.9 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 42 फीसदी हो गई है। आर्थिक मोर्चे पर लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है पर जिस तेजी से

महत्वपूर्ण है वह यह कि पिछले कुछ सालों के चुनावों पर नजर डाली जाएं चाहे वे विधानसभाओं के हो या लोकसभा के सभी में मतदान से लेकर सरकार बनवाने



लैंगिक गैप में सकारात्मकता है और महिलाओं और पुरुषों के बीच अंतर को लगभग पाट सा दिया है। जहां तक महिलाओं की आर्थिक क्षेत्र में भागीदारी की बात है तो इसमें समग्र रूप से 41.2 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। यानी अभी भी लैंगिक गैप का अंतर 50 फीसदी से भी अधिक बना हुआ है। हालांकि आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में लगातार सुधार देखा जा रहा है। कुल कामकाजी महिलाओं की

बढ़ोतरी होनी चाहिए थी या जिस तरह से लैंगिक गैप कम होना चाहिए था वह अभी नहीं हो पाया है।

तस्वीर का सबसे निराशाजनक पहलू राजनीतिक भागीदारी को लेकर हैं। खासतौर से मंत्रीमण्डल में तो महिलाओं की हिस्सेदारी में बहुत अधिक कमी देखने को मिल रही है। यह सब तो तब है जब सरकार राजनीति में महिला आरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने की पक्षधर है। एक बात जो सबसे

में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। कम से कम आंकड़े तो यही कह रहे हैं। हालांकि फ्री बीज जैसी तुभावनी योजनाओं में महिलाओं को अपने पक्ष में करने के वादे सभी राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में देखने को मिल जाएगा।

संतोष की बात यह है कि 145 देशों की समग्र ग्लोबल जेंडर गैप 2026 का जेंडर गैप पेरेटी स्कोर 69.2 प्रतिशत है जबकि भारत की 131 वीं रैंक होने के

बावजूद इस रिपोर्ट में भारत का ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप पेरेटी स्कोर 64.5 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट के समग्र अध्ययन से यह साफ हो जाता है कि भारत के सामने सबसे अधिक चुनौती राजनीतिक स्तर पर गैप को कम करना है तो आर्थिक मोर्चे पर भी अभी बहुत कुछ किया जाना जरूरी हो गया है। देश में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पंचायतों, निकाओं आदि में महिलाओं के आरक्षण से राजनीति में जो भागीदारी देखी जा रही है वह संभव हो पाई हैं। निर्णय के स्तर पर भी महिलाएं अधिक स्वतंत्र हुई है और चुनाव नतीजे इस बात की पुष्ट भी करते हैं। अब महिलाएं अपने मताधिकार का प्रयोग स्वविवेक से करने लगी है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट में 93 प्रतिशत के स्कोर के साथ आइसलैंड भले ही शीर्ष पर हो पर दुनिया के अधिकांश इस दौड़ में अभी बहुत पीछे हैं। शत-प्रतिशत स्कोर की तो अभी कल्पना करना बेमानी ही होगा। पर सकारात्मक पक्ष यह है कि लैंगिक गैप में अब काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य का पक्ष में करने का बड़ा उदाहरण है। आर्थिक मोर्चे पर भी महिलाओं की भागीदारी भले ही कम हो पर शीर्ष स्तर पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी देखी जा सकती है। इसलिए चुनौती अवश्य है पर हालात सकारात्मकता की ओर संकेत कर रहे हैं।

बोध कथा

एकाग्रता का महत्व



वीर बहादुर एक सर्कस में काम करता था। वह खतरनाक शेर को भी कुछ ही समय में पालतू बना लेता था। एक दिन सर्कस में एक नौजवान आया। वह जानवरों के हाव-भाव और हरकतों पर रिसर्च कर रहा था। उसने वीर बहादुर से कहा, ‘आपका बहुत नाम सुना है। खतरनाक शेर को भी पालतू कैसे बन लेते हैं आप?’ वीर बहादुर ने मुस्कराते हुए कहा, ‘देखो, यह कोई राज नहीं है। तुम बड़े सही मौके पर आए हो। आज ही मुझे एक खतरनाक शेर को पालतू बनाना है। वह कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। तुम मेरे साथ चलना और वहां खुद देखना कि मैं कैसे यह काम करता हूं।’

नौजवान ने देखा कि वीर बहादुर ने अपने साथ न कोई हथियार

लिया और न ही बचाव के लिए कोई दूसरी चीज। उसने अपने साथ बस एक लकड़ी का स्टूल लिया है। वह हैरान था कि स्टूल से वीर बहादुर खतरनाक शेर को कैसे काबू कर लेगा। शेर जैसे ही वीर बहादुर की तरफ गरज कर लपकता, वह स्टूल के पायों को शेर की तरफ कर देता। शेर स्टूल के चारों पायों पर अपना ध्यान केंद्रित करने को कोशिश करता और असहय हो जाता। ध्यान बंटने के कारण कुछ ही देर बाद शेर वीर बहादुर का पालतू बन गया। इसके बाद वीर बहादुर ने नौजवान से कहा, ‘अक्सर ऐसा होता है कि एकाग्र व्यक्ति साधारण होने पर भी सफल हो जाता है, लेकिन असाधारण व्यक्ति भी ध्यान बंटने के कारण शेर की तरह पराजित हो जाता है।’

बेमौसम बरसात, पर्यावरण असंतुलन का परिणाम जलवायु असंतुलन के विभिन्न रूप



संजीव ठाकुर

जलवायु परिवर्तन का अर्थ केवल तापमान का बढ़ना नहीं है। तापमान बढ़ने के साथ वायुमंडल की नमी धारण करने की क्षमता भी बढ़ती है। अंतरराष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन पैनल के अनुसार, मानव गतिविधियों से बढ़ने वाली ग्रीनहाउस गैसों का वैश्विक स्तर पर भूमि क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा की तीव्रता बढ़ने में महत्वपूर्ण योगदान है। वैज्ञानिक आकलन यह भी बताते हैं कि तापमान में प्रत्येक एक डिग्री

सेल्सियस वृद्धि के साथ वायुमंडल की अधिकतम नमी धारण क्षमता लगभग सात प्रतिशत बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप जब वर्षा होती है तो कम समय में अधिक पानी गिरने की संभावना बढ़ती है। भारत जैसे विशाल और विविध जलवायु वाले देश में इसका प्रभाव और अधिक जटिल दिखाई देता है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार भारत की लगभग 80 प्रतिशत वार्षिक वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून से जुड़ी होती है। मानसून के दौरान वर्षा का वितरण स्वाभाविक रूप से असमान रहता है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भारी वर्षा की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ने की चिंता व्यक्त की गई है। अत्यधिक वर्षा कुछ ही घंटों में स्थानीय बाढ़, शहरी जलभराव, भूस्खलन और कृषि तथा आधारभूत संरचनाओं को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

बेमौसम बरसात को केवल आसमान की अचानक बदलती हुई स्थिति समझना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे अनेक प्राकृतिक और मानवीय कारण एक साथ काम कर सकते हैं। वैश्विक तापमान में वृद्धि, समुद्र के तापमान में बदलाव, वायुमंडलीय परिसंचरण में परिवर्तन और स्थानीय स्तर पर भूमि उपयोग में बदलाव वर्षा के स्वरूप को प्रभावित कर सकते हैं। इसके साथ ही तेजी से बढ़ते शहर, कंक्रीट का विस्तार, जल निकासी क्षेत्रों पर अतिक्रमण, पेड़ों की कटाई और प्राकृतिक जलस्रोतों का विनाश वर्षा के पानी को जमीन में समाने से रोकते हैं। फलतः सामान्य वर्षा भी कई बार असामान्य संकट का रूप ले लेती है।

पर्यावरण के प्रति चेतना ही

भविष्य की सुरक्षा प्राकृतिक का अपना एक अनुशासन है। ऋतुओं का बदलना, बदलों का आना, वर्षा का होना, नदियों का बहना, पेड़ों का बढ़ना और शहरों का चलना—ये सब पृथ्वी के उस प्राकृतिक संतुलन का हिस्सा हैं, जिसने करोड़ों वर्षों से जीवन को सुरक्षित रखा है। लेकिन

पिछले कुछ दशकों में मौसम के स्वभाव में जिस तरह के परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, वे केवल संयोग नहीं माने जा सकते। कहीं बेमौसम बारिश हो रही है, कहीं अल्प समय में अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है, तो कहीं लंबे समय तक वर्षा का अभाव दिखाई देता है। गर्मी के दिनों में अचानक बारिश और मानसून के दौरान असामान्य वर्षा की घटनाएं अब सामान्य अनुभव का हिस्सा बनती जा रही हैं। यह स्थिति हमें चेतावनी देती है कि पर्यावरण के साथ मनुष्य के संबंधों पर गंभीरता से पुनर्विचार करने का समय आ गया है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 2025 की वैश्विक जलवायु रिपोर्ट बताती है कि 2015 से 2025 तक के ग्यारह वर्ष रिकॉर्ड पर सबसे गर्म ग्यारह वर्ष रहे। वर्ष 2025 वैश्विक स्तर पर दूसरा या तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा और उसका औसत तापमान 1850-1900 के औसत से लगभग 1.43 डिग्री सेल्सियस अधिक था।

व्यंग्य केसरी

उत्तर बनाम दक्षिण आधुनिक..



रविन्द्र गिन्नोरी

रामबोला को प्रतिक्रियावादी बनते देख मित्रों ने टटोला। लल्लूराम तो रामबोला के लंगोटिया थे,उसने ने सीधा लपेट लिया और कहा, ‘यार! तुम तो सर्वहारा के संरक्षक हो तो अब सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की ओर कैसे बहक रहे हो।’ रामबोला ने लल्लूराम की बात का जरा भी बुरा नहीं माना। फिर बड़ी गंभीरता से लल्लूराम की

आँखों में झांकते हुए कहा, ‘लल्लू! तूने चार्वाक दर्शन को नहीं पढ़ा है। महर्षि चार्वाक ने कहा है, ‘यह मानुष तन बार-बार नहीं मिलने वाला है। खाओ पियो मोज करो। घी पियो क्योंकि घी से ताकत मिलती है। घी पीने के लिए ऋण भी लेना पड़े तो संकोच मत करो।’

वह सब तो ठीक है, मगर रामबोला तुम तो घी का नाम सुनते ही बिदक जाते थे। अब बुढ़ापे में घी की याद आई है। अभी घी पियोगे तो पचा सकोगे...? लल्लूराम ने कहा। ‘यार ...! तुम लल्लू के लल्लू ही रहे। मेरी बातों के मर्म को समझो। चार्वाक के घी में अपनी बुद्धि को ना डुबाओ। सत्ता की नजदीकियों में जो सम्मान और यश मिलता है। मैं उस धी की बात कर रहा हूँ। हमारी जमात अंग्रेजों के जमाने से चनी आ रही है तब से

आजाद भारत में भी हमने घी पीया है।’

‘मैं समझ गया’ रामबोला...। तो तुमने राष्ट्रवादी बनने की सीढ़ी तैयार कर ली। खैर..राजा महाराजा के जमाने से चारण भाटो का यही चरित्र था जो आज तुम्हारे उपर दिख रहा है।’ ‘क्या चारण, क्या भाट, जो आदमी देशकाल परिस्थिति के अनुसार अपना चरित्र बदल लेता है वही मलाई खाता है। कानून के रखवाले उसके इशारों पर चलते हैं। ज्यादा लाभ पाने वाले, कविता कवित्व के लालित्य से सत्ताधारी का यशोगान करते हैं। सदियों से यहीं चला आ रहा है। रूपैया की परिधि से कोई बाहर नहीं निकल सकता। ऐसे में मुझे चारण भाट कैसे कह रहे हो। यह तुम्हरी बड़ी भूल है..।’

‘वाह भाई, वाह ...!’ रामबोला, ‘तुम्हारा भी जवाब नहीं। तुम तो

मुझे दक्षिण आधुनिक होते नजर आ रहे हो।’

‘दक्षिण आधुनिक..?’ भला यह क्या है! रामबोला ने पूछा. यह तो तुम्हारा लगाया पेड़ है, भाई। तुम्हारा ‘उत्तर आधुनिक’ जो खूब फला-फूला। उसके सुन्दर फूलों को नाचिकाएं अपने गर्जरे में लगाती रहीं। उसके रसीले फलों तुम्हारे वालों ने बड़े चटखारे लेकर खूब खाया। राष्ट्रभक्ति करने वालों को तुमने उत्तर दिशा में ठेल दिया और दक्षिण में तुमने खूब दक्षिणा बटोरी। अब सत्ता के सूर-में-सूर मिलाने लगे, तो बन गये न तुम दक्षिण आधुनिक..।’ रामबोला का मुख खुला-का-खुला रह गया! लल्लूराम उस पर ऐसे प्रहार करेगा, उसने कभी सोचा भी नहीं था...।

इ मेल : ravin-draginnore58@gmail.com

इतिहास

28 सितंबर का दिन भारतीय इतिहास में महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह और सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के जन्मदिवस के रूप में दर्ज है। महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं1838: बहादुर शाह ज़फ़र अपने पिता की मृत्यु के बाद मुग़ल साम्राज्य के अंतिम सम्राट के रूप में सिंहासन पर बैठे।1887: चीन की ह्वांग-हो नदी में आई भयानक बाढ़ से लगभग 15 लाख लोगों की मौत हो गई थी।1928: अमेरिका ने चीन की च्यांग काई-शेक की सरकार को मान्यता दी।1950: इंडोनेशिया संयुक्त राष्ट्र का 60वां सदस्य देश बना।2004: विश्व बैंक ने भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था घोषित किया। प्रसिद्ध व्यक्तियों के जन्म।1907: महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी सरदार भगत सिंह का जन्म अविभाजित पंजाब के लायलपुर में हुआ था।

भारत समुद्री बीमा पूल से कारोबारियों के लिए निर्बाध युद्ध-जोखिम बीमा हुआ सुनिश्चित

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता और युद्ध से समुद्री व्यापार को बढ़ते जोखिमों के बीच भारत समुद्री बीमा पूल (बीएमआईपी) निर्णायक साबित हुआ है। इसने भारतीय समुद्री पक्षकारों के लिए निर्बाध युद्ध-जोखिम बीमा सुनिश्चित किया है। वहीं, पश्चिम एशिया में टकराव के बाद से युद्ध-जोखिम बीमा प्रीमियम में लगभग 35 से 40 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह जानकारी रविवार को जारी सरकारी फैक्टशीट में दी गई।

सरकारी डेटा के मुताबिक, 7 सितंबर, 2026 तक इस पूल ने 3000 माल युद्ध जोखिम, 92 जलपोत ढांचा युद्ध जोखिम तथा 3 संरक्षण और क्षतिपूर्ति (पी&अ;आई) बीमा पॉलिसी जारी की हैं।

बीएमआईपी उन जहाजों के संबंध में जहाज के ढांचे और मशीनरी जोखिमों के लिए समुद्री बीमा प्रदान करता है जिनमें भारतीय ध्वज लगा होता है या जिनका स्वामित्व, प्रबंधन या नियंत्रण भारतीय संस्थाओं या भारत से आने वाले या शुरू होने

वाले मालवाहक पोत द्वारा किया जाता है। इसे मई 2026 में 13,906.50 करोड़ रुपए (1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) तक के कवरेज के साथ शुरू किया गया था। यह जहाज के ढांचे, माल, संरक्षण और क्षतिपूर्ति (पी&अ;आई) और युद्ध जोखिमों के लिए घरेलू बीमा कवरेज प्रदान करता है। बीएमआईपी विदेशी बीमाकर्ताओं पर निर्भरता कम करता है और वैश्विक व्यवधानों के दौरान किफायती, निर्बाध कवरेज सुनिश्चित करता है। इसके अंतर्गत बीमा पॉलिसी घरेलू

बीमा कंपनियों द्वारा जारी की जाती हैं और जोखिमों का पुनर्बीमाकरण सदस्यों की प्रतिबद्धताओं के आधार पर सामूहिक रूप से किया जाता है। 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के दावों का निपटान आरक्षित निधियों के माध्यम से किया जाता है, जबकि बड़े दावों के लिए संप्रभु गारंटी का उपयोग किया जाता है। अपनी शुरुआत के बाद से, बीएमआईपी ने तटीय जहाजों के लिए युद्ध-जोखिम और पी&अ;आई पॉलिसी जारी की हैं, प्रीमियम कम किए हैं और भारत की समुद्री



संप्रभुता को मजबूत किया है। सरकार के मुताबिक, यह जहाजों को हल स्ट्रक्चर (जहाज का मुख्य ढांचा), प्रोपल्शन सिस्टम (जहाज को चलाने वाली मशीनरी) और लगे हुए उपकरणों को होने वाले नुकसान से बचाता है। इससे यह पक्का होता है कि भारत के व्यापारिक जहाजों के बेड़े की पूंजी सुरक्षित रहे और उसका बीमा देश के भीतर ही हो।

यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों से ले जाए जा रहे सामान को शिपमेंट के नुकसान या खराबी से बचाता है। इससे ज्यादा जोखिम या टकराव वाले समुद्री रास्तों पर भी भारतीय निर्यातकों और आयातकों को फायदा होता है। यह सशस्त्र संघर्ष, समुद्री डकैती, आतंकवाद और दुश्मन के जहाज द्वारा कब्जा किए जाने से होने वाले नुकसान के खिलाफ बीमा सुरक्षा देता है। यह सुरक्षा उन भारतीय व्यापार मार्गों के लिए बहुत जरूरी है जो लाल सागर, होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील इलाकों और अन्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से होकर गुजरते हैं।

अमेरिका-ईरान युद्ध और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी■
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। इस दौरान कच्चा तेल, अमेरिका-ईरान युद्ध अपडेट और घरेलू आर्थिक आंकड़े जैसे ऑटो सेल्स, राजकोषीय घाटा, पीएमआई और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन बाजार की चाल निर्धारित करेंगे।

मध्य पूर्व में लगातार बढ़ता तनाव खासकर अमेरिका-ईरान युद्ध भारतीय बाजार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। इस कारण से कच्चे तेल का दाम भी 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। ऐसे में अगर इस पर कोई नया अपडेट आता है और तनाव कम होता है तो इसका सीधा असर बाजार पर होगा।

अगले हफ्ते भारत में घरेलू स्तर पर कई महत्वपूर्ण आंकड़े आएंगे। इसमें ऑटो सेल्स, जीएसटी, इंडस्ट्रियल और मैनुफैक्चरिंग प्रोडक्शनस पीएमआई, राजकोषीय घाटा और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा शामिल हैं।

2 अक्टूबर को गांधी जयंती के कारण अगले कारोबारी हफ्ता चार सत्रों का होगा।

इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 399.22 अंक या 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,895.74 और

निफ्टी 205.90 अंक या 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,140.50 पर था। 21-25 सितंबर के कारोबारी सत्र में लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में गिरावट देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,285.25 अंक या 2.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,906 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 160.45 अंक या 0.81 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,715.25 पर था। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी 2.98 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर



सरकारी बैंक कर्मचारियों की कल से तीन दिनों की हड़ताल

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बैंक ऑफ बड़ोदा (बीओबी), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और कई अन्य सरकारी बैंक रविवार को खुले हैं। इससे आम जनता को 28 सितंबर से 30 सितंबर तक होने वाली प्रस्तावित तीन-दिनों की देशव्यापी बैंक हड़ताल से पहले अपने बैंकिंग काम पूरे करने का मौका मिल रहा है।

रविवार को बैंक खोलने का यह खास फैसला सरकारी बैंकों (पीएसबी) और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आआरबी) पर लागू होता है। यह कदम प्रस्तावित हड़ताल से पहले रेगुलर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से उठाया गया है।

रविवार को पीएसबी और आआरबी खोलने का फैसला 21 सितंबर को वित्त मंत्रालय, पब्लिक सेक्टर बैंकों, रीजनल रूरल बैंकों, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और नाबाई के

अधिकारियों के बीच हुई बैठक के बाद लिया गया।

यह कदम इसलिए भी अहम है क्योंकि 26 और 27 सितंबर को क्रमशः शनिवार और रविवार पड़ रहे हैं। वीकेंड के ठीक बाद प्रस्तावित बैंक हड़ताल के कारण, ग्राहकों को कई दिनों तक बैंक की ब्रांच से जुड़ी सेवाओं का सीमित लाभ मिल पाता। इसलिए, हड़ताल से पहले जरूरी बैंकिंग लेन-देन पूरे करने का एक अतिरिक्त मौका देने के लिए रविवार को बैंक खोलने

की योजना बनाई गई है। आज काम कर रहे पब्लिक सेक्टर बैंकों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूको बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक शामिल हैं। इस व्यवस्था में देश भर के 28 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी सेक्टर के बैंकों पर अपने आप लागू शामिल हैं। इनमें आंध्र प्रदेश ग्रामीण

बैंक, अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, असम ग्रामीण बैंक, बिहार ग्रामीण बैंक, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, गुजरात ग्रामीण बैंक, हरियाणा ग्रामीण बैंक, हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, जम्मू और कश्मीर ग्रामीण बैंक, झारखंड ग्रामीण बैंक, कर्नाटक ग्रामीण बैंक, केरल ग्रामीण बैंक, मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक, महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक, मणिपुर ग्रामीण बैंक, मेघालय ग्रामीण बैंक, मिजोरम ग्रामीण बैंक, नागालैंड ग्रामीण बैंक, ओडिशा ग्रामीण बैंक, पुडुचेरी ग्रामीण बैंक, पंजाब ग्रामीण बैंक, राजस्थान ग्रामीण बैंक, तमिलनाडु ग्रामीण बैंक, तेलंगाना ग्रामीण बैंक, त्रिपुरा ग्रामीण बैंक, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक और पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक शामिल हैं। हालांकि, रविवार को बैंक खोलने की यह व्यवस्था प्राइवेट सेक्टर के बैंकों पर अपने आप लागू नहीं होती है।



तमिलनाडु में चावल महंगा, धान की कमी से पोन्नी समेत कई किस्मों के दाम बढ़े



विश्व केसरी■
चेन्नई। तमिलनाडु में धान के उत्पादन में गिरावट और पड़ोसी राज्यों से आपूर्ति कम होने के कारण पिछले एक महीने में चावल की कई लोकप्रिय किस्मों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है। सबसे अधिक असर पोन्नी चावल की कीमतों पर पड़ा है, जो राज्य के अधिकांश घरों में मुख्य खाद्यान्न के रूप में इस्तेमाल होता है।

बाजार में पोन्नी चावल की कीमत 65 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 78 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। वहीं, मन्नाचल्लूर पोन्नी 60 रुपये से बढ़कर 68 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। प्रीमियम पोन्नी की कीमत 65 रुपये से बढ़कर 82 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।

इसी तरह आईआर-20 चावल की कीमत भी पिछले महीने के 50 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 60 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। सामान्य कच्चे चावल

(रॉ राइस) का दाम भी 45 रुपये से बढ़कर कई दुकानों में 68 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। व्यापारियों के अनुसार पिछले 50 दिनों में चावल की कीमतों में तीन बार बदलाव किया गया है। उनका कहना है कि यदि दूसरे राज्यों से आपूर्ति कम रही और कुरुवई धान की फसल कमजोर रही तो कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

कावेरी डेल्टा क्षेत्र में कम बारिश और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने से धान की खेती प्रभावित हुई है। वहीं आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में भी धान की पैदावार घटने से तमिलनाडु की राइस मिलों तक पहुंचने वाले धान की मात्रा कम हो गई है।

राइस मिल मालिकों का कहना है कि दूसरे राज्यों से आने वाले धान की खरीद कीमत पिछले सीजन के 32 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर करीब 44 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। उनका मानना है कि अप्रैल की कमजोर फसल के कारण धान की आवक घटी है। फिलहाल थोक बाजार में फाइन पोन्नी चावल करीब 75 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है।

तमिलनाडु में पोन्नी चावल की मांग अधिक है, लेकिन राज्य में इसकी खेती अपेक्षाकृत कम होती है। ऐसे में पड़ोसी राज्यों की फसल प्रभावित होने का सीधा असर इसकी कीमतों पर पड़ता है। हालांकि, मिल मालिकों को उम्मीद है कि आने वाले महीनों में नई फसल की आवक बढ़ने से धान की आपूर्ति सुधरेगी और चावल की कीमतों में स्थिरता आ सकती है। दूसरी ओर खुदरा व्यापारी अभी भी कीमतों में और बढ़ोतरी की आशंका जता रहे हैं।

बढ़ती कीमतों के बीच व्यापारियों और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों ने तमिलनाडु में उपभोक्ताओं की पसंद वाली महीन धान की किस्मों की खेती बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है, ताकि भविष्य में राज्य की आपूर्ति पड़ोसी राज्यों की फसल पर कम निर्भर रहे।

टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की डेडलाइन नजदीक

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 तेजी से नजदीक आ रही है। हालांकि, देशभर के कर पेशेवर और विभिन्न उद्योग संगठनों द्वारा इस समयसीमा को आगे बढ़ाने की मांग की जा रही है, लेकिन अभी तक केंद्र सरकार या केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से कोई आधिकारिक विस्तार घोषित नहीं किया गया है।

ऐसे में टैक्स ऑडिट के दायरे में आने वाले करदाताओं को मौजूदा समयसीमा को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियां पूरी करने की सलाह दी जा रही है। आयकर विभाग के अनुसार, आयकर अधिनियम की धारा 44एबी के तहत आने वाले करदाताओं को 30 सितंबर तक अपना ऑडिट पूरा करकर ऑडिट रिपोर्ट प्राप्त करनी होती है। विभिन्न पेशेवर संगठनों का कहना है कि

इस बार ऑडिट, मिलान, खुलासों और अन्य अनुपालन कार्यों में अधिक समय लग रहा है। इसी वजह से कई संगठनों ने समयसीमा बढ़ाने की मांग की है।

मध्य प्रदेश टैक्स कंसल्टंट्स एसोसिएशन (एमपीटीसीए) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर से बढ़ाकर 30 नवंबर 2026 करने की मांग की है। हालांकि, जब तक कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं होती, तब तक 30 सितंबर की समयसीमा ही लागू मानी जाएगी। ऐसे में टैक्सपेयर्स को ये 5 जरूरी काम तुरंत कर लेने चाहिए।

पहला, करदाताओं को अपने लेखा-जोखा, बिक्री और खरीद रिकॉर्ड, बैंक

स्टेटमेंट, बिल, चालान और अन्य आवश्यक दस्तावेज व्यवस्थित रखने चाहिए। अधूरी जानकारी या रिकॉर्ड में विसंगतियां ऑडिट प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं।

दूसरा, कारोबारियों को जीएसटी टर्नओवर, कर विवरण और अन्य वित्तीय आंकड़ों का पुस्तकों से मिलान करना चाहिए। साथ ही फॉर्म 26एएस, एआईएस (एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट) और टीआईएस (टैक्सपेयर इन्फॉर्मेशन समरी) में उपलब्ध सूचनाओं की भी जांच करनी चाहिए, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि या असंगति समय रहते दूर की जा सके।

तीसरा, ऋण, स्थायी परिसंपत्तियों (फिक्स्ड एसेट्स), संबंधित पक्षों, वैधानिक देनदारियों और बड़े खर्चों जैसे मामलों की विशेष जांच करनी चाहिए। ऑडिट रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले इन सभी लेनदेन की टैक्स ट्रीटमेंट को लेकर ऑडिटर से चर्चा करना जरूरी है।



भारत के रिन्यूएबल एनर्जी हब खावड़ा को मिला अपना पिन कोड

विश्व केसरी■
अहमदाबाद। भारत के रिन्यूएबल एनर्जी हब को एक अलग भौगोलिक पहचान देते हुए गुजरात के कच्छ स्थित खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क को अपना अलग डाक सूचकांक नंबर (पिन कोड) 370246 मिल गया है। इसके साथ ही यहां इंडिया पोस्ट का अपना डिलीवरी कार्यालय भी शुरू किया गया है।

खावड़ा पोस्ट ऑफिस में स्पीड पोस्ट, पार्सल बुकिंग और डिलीवरी, पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक की सुविधाएं और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की सेवाएं उपलब्ध होंगी। इनमें आधार-आधारित डिजिटल बैंकिंग भी शामिल है।

यह समर्पित डाक सुविधा ऐसे समय में शुरू की गई है, जब खावड़ा कच्छ के कम आबादी वाले इलाके से विकसित होकर एक कुरान ब्रांच पोस्ट ऑफिस के जरिए संचालित यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ रही है, और यहां रहने तथा काम करने वाले लोगों की सहायक बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। इससे पहले इलाके की डाक सेवाएं करीब 70 किलोमीटर दूर स्थित पोस्ट ऑफिस और कुरान ब्रांच पोस्ट ऑफिस के जरिए संचालित होती थीं। रिन्यूएबल एनर्जी पार्क के विस्तार और यहां रहने तथा काम करने वाले लोगों की बढ़ती संख्या के साथ एक समर्पित डाक सुविधा की जरूरत महसूस की जा रही थी।

नया पिन कोड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क को एक अलग डाक पता देता है। इससे यह सोधे इंडिया पोस्ट के डिलीवरी नेटवर्क से जुड़ गया है और साइट पर मौजूद कारोबारों, बढ्ती संख्या के साथ एक समर्पित डाक सुविधा की जरूरत महसूस की जा रही थी।

नया पिन कोड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क को एक अलग डाक पता देता है। इससे यह सोधे इंडिया पोस्ट के डिलीवरी नेटवर्क से जुड़ गया है और साइट पर मौजूद कारोबारों, कर्मचारियों और सेवा प्रदाताओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। पिन कोड की व्यापक भूमिका बैंकिंग, बीमा, लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स सेवाओं की उपलब्धता तय करने में भी होती है।

खावड़ा के लिए '370246' इस रिन्यूएबल एनर्जी हब को एक विशिष्ट भौगोलिक पहचान देता है। यह इसे आसपास के क्षेत्रों से अलग करता है और आर्थिक गतिविधियों, बुनियादी ढांचे के विकास और रणनीतिक राष्ट्रीय महत्व के केंद्र के रूप में इसके बढ़ते महत्व को दर्शाता है। समर्पित पिन कोड इस बात का एक और उदाहरण है कि क्षेत्र में अलग्नी समूह द्वारा रिन्यूएबल एनर्जी परियोजना का विकास शुरू किए जाने के बाद से खावड़ा किस तरह बदल गया है। रिन्यूएबल एनर्जी पार्क को अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और अन्य डेवलपर्स द्वारा विकसित किया जा रहा है।



मीरा राजपूत बच्चों की डाइट में नहीं लगातीं ये रोक-टोक, उनका ‘कोई नियम नहीं’ फूड फॉर्मूला क्यों चर्चा में है?



मीरा राजपूत का ‘कोई नियम नहीं’ फूड फॉर्मूला बच्चों को हर पसंदीदा चीज से रोकने के बजाय संतुलित खान-पान और सहज माहौल पर जोर देता है. हालांकि हर

बच्चे की जरूरत अलग होती है, इसलिए इस अप्रोच को अपनाते समय उम्र और पोषण संबंधी जरूरतों का ध्यान रखना जरूरी है. बच्चों को खाना खिलाना कई

माता-पिता के लिए रोज की छोटी-सी चुनौती बन जाता है. कभी बच्चा सब्जी देखकर मुंह बना लेता है तो कभी पसंदीदा चीज के लिए बार-बार ज़िद करता है. ऐसे में घर में

खाने को लेकर नियम बनना आम बात है, लेकिन मीरा राजपूत का बच्चों की डाइट को लेकर नजरिया थोड़ा अलग बताया जाता है. वह खाने को लेकर बहुत ज्यादा रोक-टोक करने के बजाय बच्चों को अपनी पसंद समझने की आजादी देने की बात करती हैं.

उनके इस तरीके में एक दिलचस्प बात यह है कि खाने को लेकर सख्त पाबंदियों की जगह संतुलन और समझ पर जोर दिखाई देता है. यही वजह है कि उनका ‘कोई नियम नहीं’ वाला फूड फॉर्मूला पेरेंटिंग से जुड़े लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है. **मीरा राजपूत का बच्चों की डाइट को लेकर नजरिया**

मीरा राजपूत सोशल मीडिया पर अक्सर लाइफस्टाइल और पेरेंटिंग से जुड़े अपने अनुभव साझा करती रही हैं. बच्चों के खाने की आदतों को लेकर उनका नजरिया यह बताता है कि हर चीज को पूरी तरह प्रतिबंधित करना जरूरी नहीं है. उनके मुताबिक बच्चे अगर कभी अपनी पसंद की चीज खाना चाहते हैं तो उसे लेकर बहुत ज्यादा सख्ती करने के बजाय पूरे खान-पान के पैटर्न को देखना ज्यादा जरूरी हो सकता है.

यह तरीका उन माता-पिता के लिए दिलचस्प है जो बच्चों को हेल्दी खाना खिलाने की कोशिश में हर

पसंदीदा चीज पर रोक लगा देते हैं. कई घरों में चॉकलेट, पिज्जा, बर्गर या मिठाई को लेकर ऐसा माहौल बन जाता है कि बच्चा इन्हें और ज्यादा पाने की ज़िद करने लगता है. मीरा के फूड अप्रोच में ऐसी सख्ती से बचने की बात नज़र आती है.

‘कोई नियम नहीं’ का मतलब मनमर्जी खाना नहीं

यहां ‘कोई नियम नहीं’ को बच्चों को बिना किसी सीमा के कुछ भी खिलाने के अर्थ में समझना ठीक नहीं होगा. इसका मतलब ज्यादा सख्त फूड रूल्स से बचना और खाने को लेकर अनावश्यक डर या अपराधबोध पैदा न करना हो सकता है.

पसंद और पोषण के बीच संतुलन
मसलन, अगर बच्चा किसी दिन अपनी पसंद की डिश मांगता है तो उसे पूरी तरह गलत बताने के बजाय बाकी भोजन में पौष्टिक चीजों को शामिल किया जा सकता है. घर के सामान्य खाने में दाल, सब्जियां, फल, अनाज, दूध या अन्य उपयुक्त खाद्य पदार्थ शामिल रहते हैं तो कभी-कभार पसंद की चीज खाना अलग बात है.

बच्चों के लिए खाने का माहौल भी महत्वपूर्ण होता है, अगर हर निवाले के साथ डांट या दबाव जुड़ा हो तो खाना उनके लिए तनाव का कारण बन सकता है।

आम के पत्ते: चाय में छिपा खजाना या इंटरनेट का एक और नुस्खा ?

आम को फलों का राजा कहा जाता है, लेकिन आजकल सोशल मीडिया ने उसके पत्तों को भी किसी राजा से कम नहीं छोड़ा! कहीं दावा है कि आम के पत्तों की चाय पीते ही ब्लड शुगर काबू में आ जाएगी, कहीं इसे वजन घटाने का नुस्खा बताया जा रहा है और कहीं इसे पेट से लेकर ब्लड प्रेशर तक की रामबाण औषधि बना दिया गया है। सवाल है—इन दावों में कितना आम है और कितना गुठली से भी बड़ा अतिशयोक्ति का खेल ?

सच्चाई थोड़ी अलग और अधिक दिलचस्प है।

आम के पत्तों में mangiferin, flavonoids और polyphenols जैसे कई जैव सक्रिय compounds पाए जाते हैं। प्रयोगशाला और पशु-अध्ययनों में इनमें antio&idant तथा glucose metabolism से जुड़े संभावित प्रभाव देखे गए हैं। यही कारण है कि वैज्ञानिक आम के पत्तों में रुचि लेते रहे हैं।

लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण ब्रेक लगाना जरूरी है।

प्रयोगशाला में किसी पदार्थ का असर दिखना और इंसान में उस पदार्थ की चाय पीने से बीमारी ठीक होना—दो अलग बातें हैं।

आम के पत्तों के standard-ized e&tracts पर कुछ मानव शोध उपलब्ध हैं, लेकिन घर में तोड़े



गए आम के पत्तों को उबालकर बनाई गई चाय पर diabetes के इलाज संबंधी पर्याप्त clinical evidence अभी उपलब्ध नहीं है। इसलिए यह कहना कि ‘आम के पत्तों की चाय diabetes खत्म कर देती है’ वैज्ञानिक रूप से सही नहीं होगा।

तो फिर चाय पीने में क्या हर्ज है ?

यदि कोई व्यक्ति इसे केवल एक herbal drink की तरह लेना चाहता है, तो साफ-सुथरे और स्वस्थ आम के कुछ पत्तों को धोकर छोटे टुकड़ों में काटा जा सकता है। लगभग 3–5 पत्तों को 2 कप पानी में 5–10 मिनट हल्की आंच पर उबालकर छान लें। शुरुआत आधा कप से करना बेहतर है। इसमें चीनी डालने की जरूरत नहीं।

लेकिन सवाल आता है—दिन

में कितनी बार ?

इसकी कोई scientific-ly established daily dose नहीं है। इसलिए इसे औषधि समझकर दिन में तीन-चार कप पीना उचित नहीं। सामान्य herbal beverage के रूप में ½ से 1 कप प्रतिदिन एक सावधान तरीका हो सकता है।

डायबिटीज वालों के लिए असली सावधानी

यह हिस्सा सबसे महत्वपूर्ण है।

अगर कोई व्यक्ति insulin या diabetes की दवा ले रहा है, तो आम के पत्तों की चाय को अपनी दवा का बिकल्प बिल्कुल न समझे। पत्तों में मौजूद कुछ compounds glucose metabolism को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन चाय में उनका वास्तविक प्रभाव और मात्रा निश्चित नहीं है।

घर पर बनाइए भंडारे वाला खट्टा-मीठा कढ़ू, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे आप, नोट कीजिये रेसिपी



यहां आपको भंडारे जैसा खट्टा-मीठा कढ़ू बनाने की आसान रेसिपी बताई गई है, जो अक्सर पूड़ी के साथ परोसी जाती है. इसमें कढ़ू, सरसों का तेल, मेथी दाना, जीरा, हींग, हरी मिर्च, हल्दी, लाल मिर्च, धनिया, नमक, गुड़ और अमचूर का उपयोग होता है. इनसे बहुत ही लजीज सब्जी बनकर तैयार होती है. तो इसका स्वाद जरूर टाई करें.

उत्तर भारत के मंदिरों और धार्मिक आयोजनों में मिलने वाला भंडारे का खट्टा-मीठा कढ़ू अपने अनोखे स्वाद के लिए बेहद लोकप्रिय है. पूड़ी के साथ परोसी जाने वाली यह सब्जी मसालों, गुड़ और अमचूर के संतुलित स्वाद से तैयार होती है. इसकी खास बात यह है कि इसे बहुत कम सामग्री में बनाया जा सकता है, फिर भी इसका स्वाद लाजवाब होता है. आइए जानते हैं भंडारे जैसा खट्टा-मीठा कढ़ू बनाने की आसान रेसिपी. बनाने की विधि

सबसे पहले कढ़ू को अच्छी तरह धोकर छील लें और उसके बीज निकाल दें. अब इसे मध्यम आकार के टुकड़ों में काट लें.

एक कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें. जब तेल अच्छी तरह गर्म हो जाए तो आंच धीमी कर दें और उसमें मेथी दाना तथा जीरा डालें. जब ये चटकने लगें, तब हींग और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकंड तक भूनें.

अब कटे हुए कढ़ू को कड़ाही में डालें और अच्छी तरह मिलाएं. इसके बाद हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर और नमक डालकर मसालों को कढ़ू के साथ अच्छी तरह मिला लें।



इस जगह पर जाते ही दुनिया हो जाती है उल्टी-पुल्टी, उल्टा घर देखकर चकरा जाएगा दिमाग, दिल्ली से 2 घंटे दूर है ये अनोखा प्लेस

रोहतक के पास मौजूद यह अनोखा परिसर उल्टे घर, उल्टी कार और गांव के माहौल के लिए आकर्षण का केंद्र है. यहां तांगा, बैलगाड़ी, पारंपरिक वस्तुएं, बच्चों की एक्टिविटी, भूत बंगला और अलग-अलग खाने के विकल्प मिलते हैं. जाने से पहले टिकट और टाइमिंग जरूर जांच लें.

कभी आपने ऐसे घर की कल्पना की है, जिसमें सोफा, कार और पूरा घर ही उल्टा नजर आए ? सुनने में यह थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन ऐसी जगह सच में मौजूद है और यहां पहुंचकर तस्वीरें लेना अपने आप में अलग अनुभव बन जाता है, अगर इस बार वीकेंड पर परिवार के साथ कुछ नया देखने का मन है तो यह जगह आपकी लिस्ट में शामिल हो सकती है. दिल्ली से करीब दो घंटे की दूरी पर मौजूद इस जगह पर सिर्फ उल्टा घर ही आकर्षण नहीं है. यहां गांव की जिंदगी,

पारंपरिक चीजें, तांगा और बैलगाड़ी की सवारी के साथ हरियाणवी और राजस्थानी रंग भी देखने को मिलता है. बच्चों के लिए कई तरह की एक्टिविटी और खाने के विकल्प भी यहां मौजूद हैं.

उल्टा घर देखकर पहली नजर में लगेगा सबकुछ उल्टा

यह अनोखा घर हरियाणा के रोहतक इलाके में शेरगढ़ के ललित सोरखी स्थित नेशनल हाईवे-9 पर मदीना टोल टैक्स के पास मोखरा गांव के नजदीक बताया जाता है. यहां एक रिजॉर्ट या फार्म हाउस के परिसर में बना उल्टा घर लोगों का ध्यान खींचता है. घर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि अंदर और बाहर की कई चीजें उल्टी दिखाई देती हैं. घर में दाखिल होते ही उल्टा सोफा और दूसरी चीजें देखकर बच्चों के साथ बड़े भी कुछ देर रुककर तस्वीरें खिंचवाना पसंद करते हैं. उल्टी कार भी यहां का खास आकर्षण बताई जाती है. सोशल मीडिया पर इस तरह की जगहों की तस्वीरें अक्सर लोगों को आकर्षित करती हैं और यही वजह है कि परिवार या दोस्तों के साथ घूमने वाले लोग यहां अलग तरह का फोटो एक्सपीरियंस लेने पहुंचते हैं। सिर्फ उल्टा घर नहीं, गांव का पूरा माहौल मिलेगा

इस जगह की खासियत केवल अजीबोगरीब स्ट्रक्चर तक सीमित नहीं है. यहां हरियाणवी, पंजाबी और राजस्थानी संस्कृति से जुड़ा माहौल देखने को मिलता है. पुराने समय में गांवों में इस्तेमाल होने वाली चीजों को भी यहां सजाया गया है. इससे बच्चों को ग्रामीण जीवन और पुराने रहन-सहन की झलक दिखाने का मौका मिल सकता है.

तांगा और बैलगाड़ी की सवारी का अनुभव

अगर बच्चों को गांव की जिंदगी के बारे में बताना चाहते हैं तो यहां तांगा और बैलगाड़ी की सवारी उनके लिए अलग अनुभव हो सकती है. आधुनिक शहरों में पले-बढ़े बच्चों के लिए ऐसी चीजें रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा नहीं होतीं. इसी वजह से परिवार के साथ यहां समय बिताना केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित नहीं रहता. यहां खाट पर बैठकर खाने का अनुभव भी मिलता है. हरियाणा और राजस्थान के पारंपरिक माहौल के बीच बैटकर खाना खाने का तरीका बच्चों और बड़ों दोनों को पसंद आ सकता है।

दक्षिण भारत का कौन सा शहर कहलाता है ‘दुनिया की इडली राजधानी’? यहां खूब खाई जाती है इडली, जानिए क्यों है इतनी खास

दक्षिण भारत के चेन्नई शहर को कई जगह ‘दुनिया की इडली राजधानी’ कहा जाता है. यह कोई आधिकारिक खिताब नहीं, बल्कि शहर में इडली की लोकप्रियता को बताने वाला नाम है. चेन्नई के घरों, टिफिन सेंटर और रेस्टोरेंट में इडली रोजमर्रा के खाने का अहम हिस्सा है. पारंपरिक इडली चावल और उडद दाल के फर्मेंटेड बैटर को भाप में पकाकर बनाई जाती है. इसे आमतौर पर गर्म सांभर और नारियल की चटनी के साथ परोसा जाता है. सादी इडली के अलावा पोडी इडली, रागी इडली, ओट्स इडली और कई दूसरी वैरायटी भी पसंद की जाती हैं.

दक्षिण भारत के खाने की बात हो और इडली का नाम न आए, ऐसा शायद ही हो सकता है. नरम, फूली हुई और भाप में पकाई गई इडली को सांभर और नारियल की चटनी के साथ खाना बहुत से लोगों को पसंद है. दक्षिण भारत के अलग-अलग राज्यों में इडली रोज के खाने का हिस्सा है, लेकिन तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई का इससे खास



रिश्ता माना जाता है. शहर के छोटे टिफिन सेंटर से लेकर पुराने रेस्टोरेंट और आधुनिक फूड आउटलेट तक, आपको इडली आसानी से मिल जाएगी. सुबह ऑफिस जाने की जल्दी हो, दिन में हल्की भूख लगी हो या रात में कुछ हल्का खाने का मन हो, इडली एक आम विकल्प है इसी मजबूत फूड कल्चर की वजह

से चेन्नई को कई जगह ‘दुनिया की इडली राजधानी’ कहा जाता है. हालांकि यह कोई आधिकारिक सरकारी खिताब नहीं है, बल्कि शहर में इडली की लोकप्रियता को बताने के लिए इस्तेमाल होने वाला नाम है. चेन्नई की खास बात यह भी है कि यहां आपको सिर्फ सामान्य इडली ही नहीं, बल्कि पोडी इडली से

लेकर अलग-अलग तरह की कई इडली देखने और खाने को मिल सकती हैं.

चेन्नई में हर तरफ दिखाता है इडली का स्वाद: चेन्नई की सुबह और यहां के टिफिन कल्चर का पुराना रिश्ता है. शहर में बहुत से लोग सुबह के नाश्ते में इडली, डोसा, वडा और सांभर खाना पसंद करते हैं. इडली



इनमें सबसे आसान विकल्पों में से एक है. इसे पहले से तैयार बैटर से भाप में पकाया जाता है और गर्मागर्म सांभर तथा चटनी के साथ परोस दिया जाता है. यही वजह है कि व्यस्त सुबह में भी इसे जल्दी सर्व किया जा सकता है. इडली की लोकप्रियता सिर्फ घरों तक सीमित नहीं है. चेन्नई के छोटे खाने के ठिकानों, टिफिन सेंटर और रेस्टोरेंट में भी यह आसानी से मिलती है. समय के साथ इडली शहर के रोजमर्रा के खाने का ऐसा हिस्सा बन गई कि चेन्नई की

फूड पहचान के साथ इसका नाम जुड गया. आखिर कैसे तैयार होती है पारंपरिक इडली: सामान्य इडली बनाने के लिए मुख्य रूप से चावल और उडद दाल का इस्तेमाल किया जाता है. दोनों को भिगोने के बाद पीसकर बैटर तैयार किया जाता है. इस बैटर को कुछ समय के लिए फर्मेंट होने दिया जाता है. सही तरह से फर्मेंट होने पर बैटर में हल्का फुलाव आता है. इसके बाद इडली के सांचे पर हल्का तेल लगाकर बैटर डाला जाता है और इसे भाप में पकाया जाता है.

कुछ मिनट में दाल, सफेद, मुलायम और फूली हुई इडली तैयार हो जाती है. इसे गर्म सांभर, नारियल की चटनी और कई इडली के हल्के स्वाद के साथ जगह अलग-अलग तरह की चटनी के साथ परोसा जाता है. सांभर और नारियल की चटनी के बिना अधूरी लगती है प्लेट: चेन्नई में इडली की पारंपरिक प्लेट बहुत साधारण दिखाई दे सकती है. लेकिन इसका स्वाद इसी सादगी में छिपा है. गर्म इडली के साथ सांभर और नारियल की चटनी सबसे आम कॉम्बिनेशन में शामिल हैं. सांभर में

सब्जियों और मसालों का स्वाद होता है, जबकि नारियल की चटनी इडली के हल्के स्वाद के साथ अच्छी तरह मेल खाती है. अलग-अलग जगहों पर इसे परोसने का अंदाज बदल सकता है. कहीं सांभर ज्यादा मसालेदार मिलता है तो कहीं चटनी का स्वाद अलग होता है. कुछ जगह इडली के ऊपर भी धी डाला जाता है. यही छोटे-छोटे बदलाव एक साधारण इडली की प्लेट को अलग स्वाद दे देते हैं. टिफिन कल्चर ने बढ़ाई इडली की



मुंबई में गणपति उत्सव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सराहा

अभिनेत्री जूही चावला ने गणपति उत्सव की जमकर की तारीफ़

कहा- श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सम्मान के साथ हुआ उत्सव, यह मुंबई का गौरव है

मुंबई। अभिनेत्री जूही चावला ने मुंबई में गणपति उत्सव के माहौल और सुरक्षा व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे हजारों श्रद्धालु, जिनमें पुरुष और महिलाएं शामिल हैं, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से उत्सव में भाग लेने में सक्षम रहे।

जूही चावला ने उत्सवों के बारे में बात करते हुए कहा कि वह त्योहार के दौरान व्याप्त सम्मानपूर्ण और आनंदमय वातावरण से अभिभूत हैं, जहां भक्त भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के लिए एकत्रित हुए।

उन्होंने आईएनएस को बताया, “जैसा कि आप देख सकते हैं, मैं क्या कहूँ, यहां बहुत ही प्रसन्नतापूर्ण और सम्मानपूर्ण वातावरण रहा। इतने सारे लोग पूजा करने आए, पूरे आदर के साथ। मुझे आश्चर्य है, और यह बहुत अच्छी बात है कि यहां महिलाएं और पुरुष दोनों मौजूद रहे और सभी सुरक्षित रहे।

जूही ने आगे कहा, “सभी लोग सुरक्षित हैं, और आप देख सकते हैं कि कितने सारे लोग थे, हजारों, लाखों लोग, लेकिन सभी सुरक्षित हैं। और सभी लोगों ने सहजता से, अपनी खुशी के साथ बाबा की पूजा की। यह बहुत ही सुंदर वातावरण रहा।”

सिनेमा के साथ सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ी हैं जूही चावला

हिंदी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाने वाली जूही चावला वर्षों से कई सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों से जुड़ी रही हैं। वह चार दशकों से अधिक समय से मनोरंजन उद्योग का हिस्सा हैं।



“मुझे लगता है कि यह मुंबई का गौरव है, और मुझे यहां आमंत्रित करने के लिए शाइना, आपका धन्यवाद। इसे टीवी पर देखना एक बात है, लेकिन असल जिंदगी में देखना दिल छू जाता है।

— जूही चावला

महाराष्ट्र और गुजरात के लिए विशेष हैं गणपति उत्सव

अभिनेत्री ने महाराष्ट्र और गुजरात में गणपति उत्सव के महत्व के बारे में भी बात की और इस त्योहार को क्षेत्र के सांस्कृतिक समारोहों का एक विशेष हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, “यहां हम इसे बहुत प्रेम से मनाते हैं और यह बहुत खास है। आप यहां जो देख रहे हैं, शायद दुनिया में कहीं और ऐसा नहीं होता।”

पर्यावरण के प्रति भी की अपील

उत्सव की प्रशंसा करने के साथ-साथ, जूही ने इस अवसर का उपयोग पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील करने के लिए भी किया। उन्होंने बड़े गणपति पंडालों के आयोजकों से पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने में पहल करने का आग्रह किया।

“कृपया आप पर्यावरण के अनुकूल गणपति कब बनाएंगे? जब आप ऐसा करेंगे, तो सभी पंडाल आपका अनुसरण करेंगे।

— जूही चावला

माही श्रीवास्तव के ‘नागिन जैसे डांस’ ने मचाया तहलका, दुमकों ने खींचा भोजपुरी फैस का ध्यान

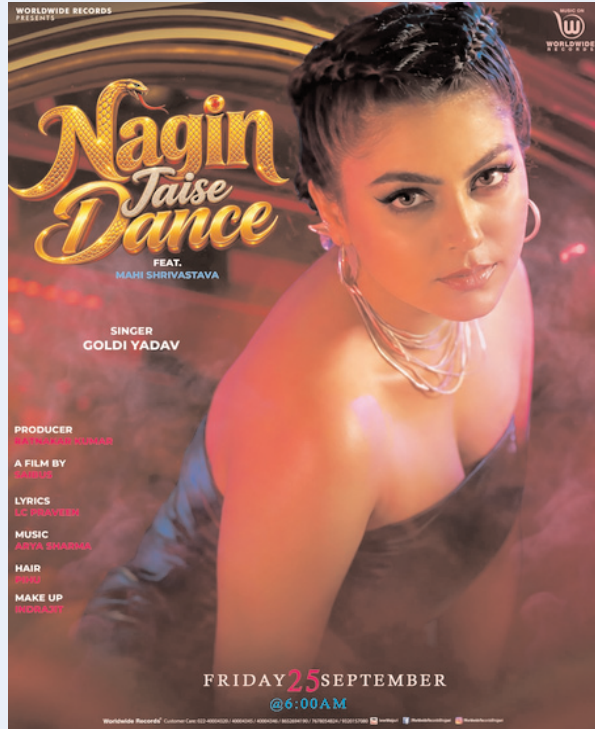
विश्व केसरी■

मुंबई। भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में एक के बाद एक नए गाने दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रहे हैं। इसी कड़ी में निर्माता रत्नाकर कुमार का नया भोजपुरी गाना ‘नागिन जैसे डांस’ रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है।

वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुए इस गाने में एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव अपने खास अंदाज में डांस करती नजर आ रही हैं। गाने के बीट्स, माही के एनर्जेटिक डांस मूव्स और रेट्रो टच वाले विजुअल्स इसे खास बना रहे हैं। रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर गाने के डांस स्टेप्स को लेकर चर्चा है।

‘नागिन जैसे डांस’ को लेकर निर्माता रत्नाकर कुमार ने बताया कि गाने की शूटिंग के दौरान इसकी एनर्जी, डांस और विजुअल प्रेजेंटेशन पर खास फोकस किया गया। उन्होंने कहा, “इस गाने की शूटिंग के दौरान हमने सबसे ज्यादा ध्यान इसकी एनर्जी, डांस मूव्स और विजुअल प्रेजेंटेशन पर दिया। माही श्रीवास्तव के डांस को गाने की बीट्स और बोल के साथ इस तरह शूट किया गया है कि दर्शकों को स्क्रीन पर एक फ्रेश और एंटरटेनिंग अनुभव मिले। लोकेशन, कॉस्ट्यूम, लाइटिंग और कैमरा एंगल से लेकर हर छोटी चीज पर खास ध्यान दिया गया है।”

रत्नाकर कुमार ने आगे कहा, “माही ने पूरे जोश के साथ गाने पर परफॉर्म किया है, वहीं गोल्डी यादव की आवाज ने इसकी एनर्जी को और बढ़ा दिया। हमारी टीम ने इस गाने को दर्शकों के मनोरंजन को ध्यान में



रखकर तैयार किया है और हमें खुशी है कि रिलीज के बाद इसे अच्छे रिव्यूज मिल रहा है।”

गाने में माही श्रीवास्तव का अलग स्टाइल देखने को मिल रहा है। रेट्रो लुक में तैयार किए गए इस गाने में पुराने दौर की झलक के साथ आज के डांस और म्यूजिक ट्रेंड का भी इस्तेमाल किया गया है। माही के एक्सप्रेशन और डांस स्टेप्स गाने की बीट्स के साथ मैच कर रहे हैं। यही वजह है कि गाना रिलीज होने के बाद दर्शकों का ध्यान खींच रहा है।

वहीं, माही श्रीवास्तव ने भी इस गाने को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, “‘गाने ‘नागिन जैसे डांस’ मेरे लिए खास है। इसमें

परफॉर्म करते हुए मैंने डांस और एक्सप्रेशन के जरिए गाने को ज्यादा से ज्यादा एंटरटेनिंग बनाने की कोशिश की है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को मेरा यह नया अंदाज पसंद आएगा और वे गाने को अपना प्यार और समर्थन देते रहेंगे।”

‘नागिन जैसे डांस’ को गोल्डी यादव ने अपनी आवाज दी है। गाने के बोल एल्सी परवीन ने लिखे हैं, जबकि इसका म्यूजिक आर्या शर्मा ने तैयार किया है। म्यूजिक में रेट्रो फ्लेवर के साथ मॉडर्न बीट्स का इस्तेमाल किया गया है। गाने को वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल चैनल पर रिलीज किया गया है।

पार्टी-इवेंट्स में हर जगह नजर नहीं आते अर्जुन बिजलानी, बताया क्यों रखते हैं दूरी



विश्व केसरी■

नई दिल्ली। ‘नागिन’ और ‘इश्क में मरजावां’ जैसे पॉपुलर शोज से टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके एक्टर अर्जुन बिजलानी लंबे समय से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। उनका मानना है कि इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए हर पार्टी, इवेंट या पार्टियों में नजर आना जरूरी नहीं है। इसके बजाय लोगों के साथ अच्छे रिश्ते बनाना काफी मायने रखता है। यहां काम के साथ-साथ लोगों से जुड़ाव भी कई चीजों में मदद करता

है। मीडिया को दिए इंटरव्यू में अर्जुन बिजलानी ने कहा, “मुझे लोगों से मिलना-जुलना पसंद है, लेकिन मैं ऐसा ईंसान नहीं हूँ जिसे हर जगह मौजूद रहना जरूरी लगता है। मैं हर जगह दिखने से ज्यादा सच्चे कनेक्शन को महत्व देता हूँ।”

अर्जुन ने आगे कहा, “‘एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में सोशल गैट्रिंग और लोगों के साथ अच्छे रिश्ते बनाना काफी मायने रखता है। यहां काम के साथ-साथ लोगों से जुड़ाव भी कई चीजों में मदद करता

है। मेरा मानना है कि लंबे समय में किसी कलाकार की पहचान सिर्फ उसके सोशल सर्कल या इवेंट्स में मौजूदगी से नहीं बनती। आखिर में, आपका काम ही आपकी पहचान बनाता है।”

अपनी पर्सनैलिटी के बारे में बात करते हुए अर्जुन ने कहा, “मैं खुद को पूरी तरह इंट्रोवर्ट या एक्स्ट्रोवर्ट नहीं मानता। मेरे अंदर दोनों तरह की खूबियां हैं। मैं थोड़ा-थोड़ा दोनों हूँ। जब मैं सहज महसूस करता हूँ तो सोशल होता हूँ, लेकिन मुझे खुद में रहना भी पसंद है। मुझे लगता है कि यह मुझे अपने किरदारों में अलग-अलग शेड्स लाने में मदद करता है।”

एक्टर्स की प्रोफेशनल लाइफ का एक बड़ा हिस्सा बन चुके सोशल मीडिया पर अर्जुन ने कहा, “‘आपको बस सोशल मीडिया के साथ कदम मिलाकर चलना है, लेकिन इसे अपनी जिंदगी पर हावी नहीं होने देना है।”

जब मैं अपने परिवार के साथ होता हूँ तो कोशिश करता हूँ कि सोशल मीडिया से दूर हो जाऊँ और उस पल को एनर्जिक करूँ। सोशल मीडिया आज निश्चित तौर पर जरूरी है, लेकिन यह टैलेंट और अच्छे काम की जगह नहीं ले सकता।

‘मेरी हिम्मत, मेरा सुकून’, नेहा धूपिया ने अपनी मां के लिए जन्मदिन पर लिखा खास नोट



विश्व केसरी■

मुंबई। एक्ट्रेस और टीवी पर्सनैलिटी नेहा धूपिया ने अपनी मां मनपिंदर धूपिया को जन्मदिन की दिल से बधाई दी। उन्होंने अपनी मां को अपना सहाय, सुकून और खास

ईंसान बताया। नेहा ने अपनी मां की अच्छी सेहत और खुशी की भी कामना की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस ने अपनी मां की कई तस्वीरें शेयर करते हुए

लिखा, “हैप्पी बर्थडे मां... मेरा सहाय, मेरा सुकून, मेरा खास ईंसान... हम हर दिन आपको सेलिब्रेट करते हैं... आपकी अच्छी सेहत और खुशी से बढ़कर मैं और कुछ नहीं चाहती... बाकी बातें हमारी पसंदीदा चाय-कॉफी के समय पर होंगी।”

तस्वीरों में नेहा अपनी मां के साथ पोज देती दिख रही हैं। एक तस्वीर में मां-बेटी की जोड़ी अमृतसर के गोल्डन टेम्पल में आशीर्वाद लेती दिख रही है, जबकि एक और कैंडिड पल में वे खुलकर हंसी हुई नजर आ रही हैं। नेहा ने बर्थडे केक की झलक दिखाने वाला एक वीडियो भी शेयर किया।

नेहा धूपिया का अपनी मां मनपिंदर ‘बबली’ धूपिया के साथ बहुत करीबी और खास रिश्ता है। वह उन्हें अपनी ताकत और सपोर्ट का सबसे बड़ा जरिया मानती हैं।

एक्ट्रेस ने अक्सर बताया है कि उनकी मां उनकी राजदार रही हैं और वे पर्सनल और प्रोफेशनल मामलों में सलाह के लिए उन्हीं के पास जाती हैं।

नेहा ने अक्सर एक पेरेंट के तौर पर अपने सफर के लिए अपनी मां को प्रेरणा माना है। पति अंगद बेदी के साथ अपने बच्चों, मेहर और गुरिक के आने के बाद, उन्होंने कहा है कि वह अपनी बेटी के लिए वैसी

ही प्यार करने वाली और सपोर्टिव मां बनना चाहती हैं, जैसी उनकी मां उनके लिए रही हैं। एक इंटरव्यू में, ‘जूली’ एक्ट्रेस ने बताया था कि कैसे उनकी मां उनके करियर और पारिवारिक जीवन के मुश्किल दौर में उनके साथ खड़ी रहीं। नेहा ने बताया था कि जब वह ‘एमटीवी रोडीज’ में काम कर रही थीं और अपनी छोटी बेटी की देखभाल कर रही थीं।

ही प्यार करने वाली और सपोर्टिव मां बनना चाहती हैं, जैसी उनकी मां उनके लिए रही हैं। एक इंटरव्यू में, ‘जूली’ एक्ट्रेस ने बताया था कि कैसे उनकी मां उनके करियर और पारिवारिक जीवन के मुश्किल दौर में उनके साथ खड़ी रहीं। नेहा ने बताया था कि जब वह ‘एमटीवी रोडीज’ में काम कर रही थीं और अपनी छोटी बेटी की देखभाल कर रही थीं।

जब लता मंगेशकर को चुभ गया था दिलीप कुमार का मजाक, फिर मौलाना से ली उर्दू की तालीम

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत की स्वर कोकिला कही जाने वाली लता मंगेशकर की आवाज से शायद ही कोई अनजान हो। उन्होंने हिंदी ही नहीं, बल्कि मराठी और बंगाली जैसी कई दूसरी भाषाओं में भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा। उनकी गायकी में शब्दों का उच्चारण, भाव और आवाज की मिठास इतनी खास थी कि हर गीत सोधे दिल तक पहुंचता था, लेकिन क्या आप जानते हैं कि लता मंगेशकर ने अपने उर्दू उच्चारण को

बेहतर बनाने के लिए बाकायदा उर्दू की तालीम ली थी। इसके पीछे का दिलचस्प किस्सा मशहूर अभिनेता दिलीप कुमार से जुड़ा है।

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को इंदौर में हुआ था। कम उम्र से ही उनका जुड़ाव संगीत से हो गया था। पिता दीनानाथ मंगेशकर से संगीत की शुरुआती शिक्षा लेने के बाद उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर फिल्मी दुनिया में अलग पहचान बनाई। कहा जाता है कि साल 1947 में संगीतकार अनिल विश्वास ने

लता मंगेशकर की मुलाकात अभिनेता दिलीप कुमार से कराई थी। यह मुलाकात बेहद खास थी, क्योंकि उस समय लता अपने करियर के शुरुआती दौर में थीं और दिलीप कुमार फिल्म इंडस्ट्री में बड़ा नाम बन चुके थे। दिलीप कुमार को जब पता चला कि लता मंगेशकर महाराष्ट्रीयन हैं, तो उन्होंने उनके उर्दू उच्चारण को लेकर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो गायक उर्दू भाषा से अच्छी तरह परिचित नहीं होते, उन्हें उर्दू के शब्दों के सही उच्चारण में परेशानी होती है।

दरअसल, वह ‘फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा’ में गेस्ट बनकर पहुंचे। इस दौरान सुनील शेट्टी ने बताया कि वह रोहित को तब से फॉलो करते आ रहे हैं, जब वह महज 16-17 साल के थे। उन्हें रोहित के खेल में महान क्रिकेटर सर विव रिचर्ड्स की झलक दिखाई देती थी।

क्रिकेट के प्रति अपने इसी जुनून पर बात करते हुए सुनील शेट्टी ने कहा, “दुनिया जानती है कि मैं क्रिकेट का कितना बड़ा दीवाना हूँ। शायद इन खिलाड़ियों ने मैदान पर जितना क्रिकेट नहीं खेला होगा, उतना मैंने उन्हें उर्दू के शब्दों के सही उच्चारण में परेशानी होती है।



अमेरिकन सोसायटी जाता था ताकि वहां सिर्फ तेज गेंदबाजों के वीडियो क्लिपिंग्स और उनके फुटेज देख सकूँ।”

सुनील शेट्टी ने आगे कहा, “सर विव रिचर्ड्स मेरे हमेशा फेवरेट क्रिकेटर रहे थे और आज भी मेरे फेवरेट ही हैं। रोहित जब

16-17 साल के थे, तब से मैं उन्हें फॉलो करता आ रहा हूँ। मुझे रोहित के अंदाज में सर विव रिचर्ड्स की झलक दिखाई देती थी। मैं उस वक्त भी बोलता था कि अगर सर विव रिचर्ड्स की कोई मुझे याद दिलाता है, तो वह रोहित शर्मा हैं।”

रोहित ने आगे कहा, “बाद में समझ आया कि सुनील शेट्टी का क्रिकेट के लिए प्यार कितना गहरा है। उस दौरान वह मेरे मेंटर पीवी शेट्टी के साथ बैठे थे। पीवी शेट्टी ने मुझे क्रिकेट के शुरुआती दिनों में काफी मदद की थी। उन्होंने मुझसे कहा था कि मुझे सुनील शेट्टी से मिलना चाहिए, क्योंकि उन्हें क्रिकेट बहुत पसंद है।

अमेरिका और ईयू ने खारिज किया भविष्य की महामारियों से निपटने वाला यूएन का घोषणापत्र

विश्व केसरी■
संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) ने संयुक्त राष्ट्र के उस घोषणापत्र को खारिज कर दिया है, जिसका मकसद भविष्य में आने वाली महामारियों से निपटने के लिए दुनिया के देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। हालाँकि, भारत और जर्मनी ने दस्तावेज के कुछ हिस्सों पर चिंता जताई, लेकिन इसका विरोध नहीं किया। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई है।

इस घोषणापत्र पर शुक्रवार को न्यूयॉर्क में महामारी की रोकथाम, तैयारी और उससे निपटने पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की दूसरी हाई-लेवल बैठक में विचार किया गया। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इटली ने भी इस दस्तावेज को साफ तौर पर खारिज कर दिया। यह घोषणापत्र कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। यानी यह सरकारों को यह तय करके नहीं देगा कि किसी स्वास्थ्य संकट या महामारी के दौरान उन्हें किस तरह से



कदम उठाने ही होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और जर्मनी ने घोषणापत्र के कुछ हिस्सों को लेकर आपत्ति जताई, लेकिन इसे खारिज नहीं किया।

की उम्मीद है। अमेरिका ने कहा कि बातचीत के दौरान कई बदलाव किए जाने के बावजूद घोषणापत्र में अब भी कुछ ऐसी भाषा मौजूद है, जो उसे मंजूर नहीं है। अमेरिकी सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की डायरेक्टर एरिका श्वार्ट्ज ने कहा कि इसमें ऐसे विवाद पैदा करने वाले विचार शामिल हैं, जिनकी परिभाषा को लेकर भी आम सहमति नहीं है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, श्वार्ट्ज ने कहा कि अमेरिका इस पूरे दस्तावेज का समर्थन करने की स्थिति में नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने बातचीत के दौरान घोषणापत्र में कई बदलाव करने की मांग की थी। अखबार के मुताबिक, इसके पहले के ड्राफ्ट में बराबरी, एकजुटता, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं, लैंगिक समानता, वैक्सिन तक पहुंच और अंतरराष्ट्रीय फंडिंग जैसे मुद्दों का जिक्र था।

संक्षिप्त खबर

डीआरसी में पलटी नाव, 12 लोगों की मौत और कई लापता

विश्व केसरी■
किशासा, 27 सितंबर (आईएनएस)। पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में किवु झील में एक नाव के पलटने से 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हैं। दुर्घटना शनिवार रात और रविवार सुबह के बीच हुई। नाव साउथ किवु प्रांत की राजधानी बूकावु से निकली थी और यात्रा के दौरान पलट गई। शुरुआती जानकारी के आधार पर स्थानीय मीडिया के हवाले से सिंहुआ ने बताया कि नाव पर 80 से ज्यादा लोग सवार हो सकते हैं। रविवार सुबह तक बचाव दल ने 12 शव बरामद किए और पांच लोगों को जीवित बचाया, जबकि बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। खोज और बचाव अभियान जारी है। दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। 2 दिनों के भीतर ये ऐसी दूसरी दर्दनाक घटना है। गुरुवार (24 सितंबर) को ही टंगानिका झील में एक नाव पलट गई थी, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी और 49 लोगों को सकुशल बचा लिया गया था। खबरों के मुताबिक, जब नाव कांगो के मापेरा गांव के पास पलटी, तो उदरमं लगभग 100 लोग और सामान लदा हुआ था। दरअसल, देश भर में कई नदियों और झीलों के कारण, डीआरसी में बहुत से लोगों के लिए नाव परिवहन का एक मुख्य और किफायती साधन है।

रांची में सीआरपीएफ जवान ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी, मौत

विश्व केसरी■
रांची। रांची के तिरिल स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय में रविवार को एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक जवान की पहचान पलामू जिले के हुसैनबाद अनुमंडल के हैदरनगर थाना क्षेत्र स्थित इमलियाटीकर गांव निवासी भुनेश्वर पाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, भुनेश्वर पाल तिरिल स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान उन्होंने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर सीआरपीएफ परिसर में अफरा-तफरी मच गई। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण जवान ने तुरंत दम तोड़ दिया। सहकर्मियों ने तत्काल इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों और विधानसभा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से दो इस्तेमाल किए गए कारतूस के खोखे बरामद किए हैं। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए फोरेंसिक साइंस लेब की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल की जांच कर फिंगरप्रिंट समेत अन्य तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में जवान द्वारा खुद को गोली मारने की बात सामने आई है। हालांकि, उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। सहकर्मियों से मिली प्रारंभिक जानकारी के आधार पर बताया जा रहा है।



तेलंगाना : भारी बारिश के बाद भद्राचलम में गोदावरी नदी का जलस्तर बढ़ा

विश्व केसरी■
हैदराबाद। तेलंगाना के भद्राचलम में भारी बारिश के बाद गोदावरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि ऊपर से आ रहे पानी के कारण नदी का स्तर बढ़ रहा है। भद्राद्री कोठागुडेम जिले के मंदिर शहर भद्राचलम में रविवार सुबह नदी का जलस्तर 40 फीट को पार कर गया। अग्र जलस्तर 43 फीट तक पहुंचता है तो प्रशासन पहली बाढ़ की चेतावनी जारी करेगा। उधर, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में वंशधारा नदी अभी भी उफान पर है। हालांकि नागावली नदी में बाढ़ का पानी कम हो गया है।



ऊपर से पानी आना जारी है, इसलिए जलस्तर और बढ़ने की संभावना है। दोनों नदियों में बाढ़ तेज हो गई थी और तो प्रशासन पहली बाढ़ की चेतावनी जारी करेगा। उधर, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में वंशधारा नदी अभी भी उफान पर है। हालांकि नागावली नदी में बाढ़ का पानी कम हो गया है।

ऊपरी इलाकों में भारी बारिश और अन्य स्रोतों से पानी आने के कारण जिला प्रशासन ने 25 सितंबर को नारायणपुरम एनिकट पर दूसरी बाढ़ की चेतावनी जारी की थी। श्रीकाकुलम के जिला कलेक्टर ने नदियों के किनारे बसे गांवों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

तमिलनाडु सरकार का बड़ा फैसला, कानून-व्यवस्था विंग को आरटीआई के दायरे से किया बाहर

विश्व केसरी■
चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने अपने पब्लिक डिपार्टमेंट के कानून-व्यवस्था विंग को सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून से छूट देने का आदेश जारी किया है। इससे पुलिसिंग, विरोध-प्रदर्शन और सुरक्षा से जुड़े कई तरह के रिकॉर्ड तक आम लोगों की पहुंच सीमित हो जाएगी। सरकार ने इस विंग को इंटेलिजेंस और सुरक्षा के काम में लगी संस्था के तौर पर वर्गीकृत किया है। इस आदेश का मतलब है कि अब आवेदक सामान्य आरटीआई अनुरोधों के जरिए इस विंग के पास मौजूद कई रिकॉर्ड हासिल नहीं कर पाएंगे। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सरकार के पास मौजूद कानून-व्यवस्था से जुड़ी हर जानकारी उपलब्ध नहीं होगी। जिन रिकॉर्ड्स पर इसका असर पड़ेगा, उनमें कानून-व्यवस्था से जुड़ी



घटनाओं, सांप्रदायिक और जातीय झड़पों, पुलिस की गिरफ्तारी और हिरासत, कैदियों की मौत और पुलिस जांच रिपोर्ट मिलने से जुड़ी जांच कमिशन की नियुक्तियों के कागजात शामिल हैं। इसमें मुख्य सचिव के निर्देशों पर होने वाली कानून-व्यवस्था की मासिक समीक्षा बैठकों और खास हालात से निपटने के लिए बुलाई गई विशेष बैठकों के रिकॉर्ड भी शामिल हैं। ऐसी बैठकों में अधिकारी अशांति का आकलन करने, पुलिसिंग व्यवस्था की

समीक्षा करने और प्रशासन को क्या कदम उठाने चाहिए, इस पर फैसला लेने के लिए एक साथ आ सकते हैं। यह आदेश लोकसभा और राज्यसभा में कानून-व्यवस्था से जुड़े सवालों के जवाब के लिए तैयार की गई सामग्री पर भी लागू होता है। इसमें छात्रों, किसानों और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शनों से जुड़े रिकॉर्ड के साथ-साथ मानहानि करने वाले लेख, समाचार क्लिपिंग और भाषण भी शामिल हैं।



सकते हैं।

सोशल मीडिया यूजर ने भी एक स्क्रीनशॉट साझा किया जिसमें हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की बैठकों में सबसे कम हाजिरी वाले नौ सांसदों की सूची थी। इसमें बताया गया कि फेडरल पार्लियामेंट अपनी नई वेबसाइट के साथ ज्यादा टेक-फ्रेंडली बन रही है। संसदीय बैठकों में बिल और कानूनी दस्तावेज, संसदीय बैठक की जानकारी, एजेंडा, संसदीय गतिविधियां और रिकॉर्ड ऑनलाइन देख

हरका संगंम 55% के साथ संसद में उपस्थित रहे। संघीय संसद की यह वेबसाइट अभी टेस्टिंग के दौर में है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां आम जनता, कानून बनाने वालों की प्रोफाइल से लेकर संसदीय गतिविधियों तक सब कुछ देख सकती है। फेडरल पार्लियामेंट, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और नेशनल असंबली के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए ‘डिजिटल पार्लियामेंट’ पहल पर काम कर रही है।

ईरान ने हवाई प्रतिबंधों के जवाब में सैन्य कार्रवाई करने से किया इनकार

विश्व केसरी■
तेहरान। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (एसएनएससी) सचिवालय ने बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि विमानन प्रतिबंधों के जवाब में ईरान कोई सैन्य जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने एसएनएससी के फैसले से रूबरू कराया है। एसएनएससी ने सेक्रेटरी मोहसेन रेजाई की हाल की दिष्णियों को गलत तरीके से पेश किए जाने के जवाब में बयान जारी किया। रेजाई ने हवाई परिहहन के मुद्दे पर बात की थी, जिससे सवाल और कुछ उलझनें पैदा हो गई थीं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एसएनएससी ने उन दावों को खारिज किया जिसमें ईरान की ओर से हवाई प्रतिबंधों के जवाब में सैन्य कार्रवाई की बात



कही गई थी। साथ ही, यह भी कहा गया कि कुछ ‘गैर-कानूनी’ हवाई प्रतिबंधों को हटाने के लिए संबंधित देशों के साथ गंभीरता से बातचीत की जा रही है। एसएनएससी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिबंधों का पालन करने वालों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के कई गैर-सैन्य तरीके हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर कुछ हवाई अड्डों पर लागू किया जा सकता है, हालांकि उम्मीद जताई गई कि स्थिति उस हद तक नहीं पहुंचेगी। इस हफ्ते की शुरुआत में, अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा था कि बुधवार से ‘दुनिया भर में सभी ईरानी एयरलाइंस बंद कर दी जाएंगी’। उन्होंने उन कंपनियों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की धमकी दी जो उन्हें हवाई सेवाएं देती हैं। उन्होंने ब्रॉडकास्टर सीएनबीसी को बताया कि जब ईरानी विमान किसी हवाई अड्डे पर उतरते हैं।

बीएलएफ का दावा, ‘समूह की महिला यूनिट ने पाकिस्तान के नौ सुरक्षाकर्मियों को किया ढेर’

विश्व केसरी■
क्वेटा। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने दावा किया है कि समूह के नए महिला दस्ते ‘करीमा आर्म्ड अर्साल्ट डिवीजन’ (केएएडी) के हालिया हमलों में पाकिस्तानी सैन्य बलों के नौ जवान मारे गए। बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, बीएलएफ प्रवक्ता मेजर ग्वारहाम बलूच ने एक बयान में कहा कि 22 सितंबर को तुरबत के पास जुशाक इलाके में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) राजमार्ग पर तीन वाहनों वाले क्विक लड्डाका चाकर मुराद उर्फ दिलीप जान भी मारा गया। ग्वारहाम बलूच ने दावा किया कि केएएडी ने बलूचिस्तान के कलात जिले की मंगुचर तहसील में क्वेटा-कराची राजमार्ग पर तीन स्थानों पर नाकेबंदी की। मंगुचर बाजार की ओर से बख्तरबंद वाहन और दो अन्य वाहनों में पहुंचे पाकिस्तानी बलों पर हमला किया गया, जिसमें दो सैन्यकर्मों मारे गए। समूह ने दावा किया कि इस दौरान कई हुए सुरक्षित वापसी की। हमले में कई सैन्य



वाहनों को नुकसान पहुंचने का भी दावा किया गया। इस दौरान कुर्बान इकाई का एक लड्डाका चाकर मुराद उर्फ दिलीप जान भी मारा गया। ग्वारहाम बलूच ने दावा किया कि केएएडी ने बलूचिस्तान के कलात जिले की मंगुचर तहसील में क्वेटा-कराची राजमार्ग पर तीन स्थानों पर नाकेबंदी की। मंगुचर बाजार की ओर से बख्तरबंद वाहन और दो अन्य वाहनों में पहुंचे पाकिस्तानी बलों पर हमला किया गया, जिसमें दो सैन्यकर्मों मारे गए। समूह ने दावा किया कि इस दौरान कई हुए सुरक्षित वापसी की। हमले में कई सैन्य

टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर फिर हमला, भाजपा को टहराया जिम्मेदार

विश्व केसरी■
कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक कुणाल घोष की कार पर लगातार दूसरे दिन हमले का मामला सामने आया है। शनिवार को हुगली के उत्तरपाड़ा में उनकी कार पर पथर और अंडे फेंके जाने की शिकायत के बाद रविवार सुबह बेलेघाटा-नारकेलडांगा इलाके में फिर उनकी कार को निशाना बनाए जाने का आरोप है। कुणाल घोष ने कहा कि मुताबिक, कुछ लोगों ने उनकी कार का पीछा किया और हथौड़े से विंडशील्ड और पीछे का शीशा तोड़ दिया, जबकि ड्राइवर के बगल वाली खिड़की को भी नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावरों ने हथियार दिखाकर उन्हें धमकाया और भाजपा समर्थकों पर हमले का



आरोप लगाया। इसके बाद कुणाल घोष क्षतिग्रस्त कार लेकर नारकेलडांगा थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। शनिवार की घटना में भी पुलिस ने हमले के लिए किसी पक्ष की जिम्मेदारी तय नहीं की थी। कुणाल घोष ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, ‘देखिए, आज फिर हम पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की गई। आज भगवान की कृपा से हम जिंदा हैं।

कोलकाता शहर में रविवार को दिनदहाड़े जब मैं एक कार्यक्रम में जा रहा था, तब उन्होंने हम पर हमला किया। वे बाइक पर थे, उनके पास हथियार थे और उन्होंने गाड़ी की खिड़की का शीशा तोड़कर हमें बाहर खींचने की कोशिश की। उनके हाथों में रिवॉल्वर थीं। हमारी सुरक्षा टीम को भी अपनी रिवॉल्वर निकालनी पड़ी। अभी हम सुरक्षा के लिए नारकेलडांगा पुलिस स्टेशन के अंदर आए हैं।

महाराष्ट्र में बाढ़ से कटे मामरागढ़ में तीन गंभीर मरीजों को हेलीकॉप्टर से पहुंचाया गया अस्पताल

विश्व केसरी■
गढ़चिरोली। महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले के भामरागढ़ तहसील में लगातार बारिश और बाढ़ की स्थिति के बीच गंभीर मरीजों तक समय पर चिकित्सा सुविधा पहुंचाने के लिए प्रशासन ने तात्कालिक कदम उठाया है। भामरागढ़ तहसील के तीन गंभीर मरीजों को हेलीकॉप्टर की मदद से हेडरी स्थित अस्पताल पहुंचाया गया। जिलाधिकारी अविश्यांत पंडा के मार्गदर्शन और निर्देश पर यह तत्काल राहत एवं चिकित्सा सहायता अभियान चलाया गया। बाढ़ और अतिवृष्टि के कारण भामरागढ़ तहसील के कई दुर्गम क्षेत्रों में



आवागमन प्रभावित हुआ है। ऐसे हालात में गंभीर मरीजों को सामान्य मार्ग से अस्पताल तक पहुंचाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। इसी परिस्थिति को देखते हुए प्रशासन ने मरीजों को समय पर उच्चस्तरीय उपचार उपलब्ध कराने के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की। जानकारी के अनुसार, बिनागुंडा गांव से एक दिन पहले लाहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराई गई 7 वर्षीय संगीता चुक्कू उसेंडी की तबीयत गंभीर थी। उसकी स्थिति को देखते हुए उसे रविवार

को लाहरी से हेलीकॉप्टर के माध्यम से हेडरी ले जाया गया, जहां आगे का उपचार किया जा रहा है। इसी तरह, अपेक्षा ऋषी आलाम और रोशन चिना मडावी नामक दो अन्य मरीजों को भी गंभीर स्थिति को देखते हुए आगे के उपचार के लिए हेडरी स्थानांतरित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन मरीजों में सिकलसेल से पीड़ित मरीज भी शामिल है, जिसके लिए समय पर उचित चिकित्सा उपचार मिलना आवश्यक था। इस अपात स्थिति में चिकित्सा सहायता के लिए क्षेत्र में उपलब्ध लॉयड्स मेटल्स कंपनी के हेलीकॉप्टर का उपयोग किया गया।

स्वचैश में अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास



विश्व केसरी ■
नागोया। भारत की 18 वर्षीय स्वचैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने रविवार को विमेंस सिंगल्स में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसी के साथ जुनियर वर्ल्ड चैंपियन अनाहत, भारत की पहली विमेंस सिंगल्स सिल्वर मेडलिस्ट बनीं। हालांकि, उन्हें फाइनल में मलेशिया की मौजूदा चैंपियन शिवसंगरी सुब्रमण्यम के हाथों 4-11, 4-11, 7-11 से हार का सामना करना पड़ा।

इस हार के साथ अनाहत ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने का पहला मौका भी चूक गई, क्योंकि सिंगल्स इवेंट के विजेता को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए कोटा मिलना तय था, जहां स्वचैश पहली बार शामिल हो रहा है।

नागोया किंजो फुतो एरिना में प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ी का मुकाबला मलेशिया की कहीं ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी से था। अनाहत को अपनी प्रतिद्वंद्वी के शानदार खेल का मुकाबला करने में मुश्किल हुई और उन्होंने पहला गेम 4-11 से गंवा दिया।

इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ी ने अपने मजबूत अटैक और डिफेंस से अगले दो गेम पर भी अपना दबदबा बनाए रखा। अनाहत को कोई खास मौका नहीं

के विजेता को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए कोटा मिलना तय था, जहां स्वचैश पहली बार शामिल हो रहा है।

नागोया किंजो फुतो एरिना में प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ी का मुकाबला मलेशिया की कहीं ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी से था। अनाहत को अपनी प्रतिद्वंद्वी के शानदार खेल का मुकाबला करने में मुश्किल हुई और उन्होंने पहला गेम 4-11 से गंवा दिया।

इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ी ने अपने मजबूत अटैक और डिफेंस से अगले दो गेम पर भी अपना दबदबा बनाए रखा। अनाहत को कोई खास मौका नहीं

भारत और वह दूसरा गेम भी 4-11 के अंतर से हार गई, जबकि मौजूदा चैंपियन ने शानदार खेल दिखाते हुए तीसरा गेम 11-7 से जीता।



उल्लेखनीय है कि अनाहत ने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 6 सतोमी वातानाबे को दो गेम से पिछड़ने के बाद हराया था, जिसके साथ वह एशियन गेम्स के विमेंस सिंगल्स स्वचैश फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी थीं।

इससे पहले, भारत के अभय सिंह को भी सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था। मलेशिया के मौजूदा चैंपियन ईन यो एनजी ने शानदार खेल दिखाते हुए मॅस सिंगल्स स्वचैश फाइनल में भारतीय खिलाड़ी को 11-9, 11-5, 11-5 से मात दी।

रविवार को यह स्वचैश में भारत का दूसरा पदक रहा। अभय, सौरव घोषाल के बाद इस इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने।

2027 विश्व कप फाइनल में लक्ष्य का पीछा करने को तैयार: विराट कोहली

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का सपना वनडे विश्व कप 2027 जीतना है। वह 2027 विश्व कप के फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच विजयी पारी खेलना और भारत को चैंपियन बनाना चाहते हैं।

जियोस्टार के हवाले से कोहली ने कहा, 'मैं हमेशा से ऐसा व्यक्ति रहा हूँ, जो हर गेम में वह खिलाड़ी बनना चाहता है जो गेम जिताए। मैं ऐसा ही बना हूँ। यह मुझसे कभी दूर नहीं जाएगा। इसलिए, मेरा लक्ष्य टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा गेम जीतना है। मेरा सपना है कि फाइनल में स्कोर चेज करते हुए मैच जिताने वाली पारी खेलूं। अगर ऐसा होता है, तो बहुत अच्छा होगा। विश्व कप का खिताब जीतना सबसे ज्यादा जरूरी है।

कोहली ने जोर देकर कहा कि ट्रांफी जीतने के लिए मैदान में उतरना सबसे संतोषजनक बात होगी, लेकिन बड़ा लक्ष्य हमेशा बड़ा ही रहता है। अगर मुझे ऐसा करने का मौका मिलता है, तो एक व्यक्ति के तौर पर बीच में रहकर, एक बल्लेबाज के तौर पर इससे ज्यादा संतोषजनक कुछ नहीं होता। आप खुद को टीम को मुश्किल से निकालते हुए देखते हैं। यही आपको इस लेवल पर कॉम्पिटिशन करने के लिए प्रेरित करता है। मैं उस प्रतियोगी सोच को जाने नहीं देना चाहता।

वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार को याद करते हुए कोहली ने कहा, 'उस हार का दुख है। कई दिनों तक समझना बहुत मुश्किल था। 2025 में आईपीएल जीतने से पहले, मुझे 2016 के फाइनल की याद आती थी। वर्ल्ड कप फाइनल के बारे में भी मुझे ऐसा ही लगता है। मैं 54 रन पर खेल रहा था और मैंने खुद को एक बड़ी सेंचुरी के लिए तैयार किया था। अगर मैं 140-150 रन बना लेता, तो हम वह गेम जीतने की स्थिति में होते।'

उन्होंने कहा, 'पूरा वर्ल्ड कप बहुत बढ़िया था। माहौल जबरदस्त था। टीम के अंदर, आप भाईचारा देख सकते थे। हर कोई एक-दूसरे के लिए खेलकर खुश था। हार्दिक जैसे खिलाड़ी को जल्दी खोने के बाद भी, हमने कभी इस बारे में बात नहीं की कि आगे क्या होगा, हालांकि वह जो लाता है, उसके हिसाब से यह एक बड़ा नुकसान था। लेकिन शमी आया, और आप जानते हैं कि वह क्या कर सकता है। इसलिए, सभी को लग रहा था कि यह हमारा वर्ल्ड कप है। पूरी तरह से एक अलग ऊर्जा थी, लेकिन जब खेल इस तरह बदल जाता है, तो इसे समझना बहुत मुश्किल होता है। क्रिकेट का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज माने जाने के सवाल पर कोहली ने कहा, 'मैं खुद को अब तक का सबसे अच्छा बल्लेबाज नहीं मानता। खेल के अलग-अलग समय पर अलग-अलग खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कुछ कमाल की चीजें की हैं, लेकिन हो सकता है कि उन्होंने उस तरह के नंबर जमा न किए हों।



अंकुश पुरुषों के 80 किग्रा सेमीफाइनल में पहुंचे



विश्व केसरी ■
निशियो। कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश पंघाल ने रविवार को यहां निशियो जिमनेजियम में पुरुषों के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान के नेकूज सलीमोव को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और देश के लिए एक पदक सुनिश्चित कर दिया। मौजूदा एडिशन में बॉक्सिंग में यह पहला पदक होगा।

तीन राउंड के मुकाबले में अंकुश ने सलीमोव पर ज्यादातर समय दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले दो राउंड सर्वसम्मत से जीते, जिसके बाद ताजिक बॉक्सर ने तीसरा राउंड जीता, लेकिन गेम का नतीजा नहीं बदल सके। कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट ने यह मुकाबला जीता।

अंकुश पहले दो राउंड में काफी हावी रहे, उन्होंने अपनी स्पीड, पंच और डिफेंस दिखाया, जबकि सलीमोव को भारतीय मुक्केबाज से मुकाबला करने में मुश्किल हुई। उन्होंने पहला राउंड 5-0 के स्कोर से जीता। पंघाल ने कुछ राइट हुक और 1-2 पंच लगाए। दूसरे राउंड में उन्होंने अपना जबरदस्त लेफ्ट हुक दिखाया और अपने काउंटर पंच से बहुत अच्छा मूव किया, जिससे उन्हें एक और 5-0 की जीत मिली।

नॉकडाउन के लिए बेताब सलीमोव ने आखिरी राउंड में वापसी की। उन्होंने अंकुश पर कुछ पंच मारे, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने अपना डिफेंस बनाए रखा और ताजिक मुक्केबाज ने तीसरा राउंड 4-1 से जीत लिया, लेकिन यह काफी नहीं था।

हरिता ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में जीता ब्रॉन्ज

विश्व केसरी ■
नागोया। भारत ने रविवार को एशियन गेम्स आइची-नागोया 2026 में स्प्रिंट इवेंट्स का समापन महिलाओं और पुरुषों की 200 मीटर फाइनल में अलग-अलग नतीजों के साथ किया। एक ओर, हरिता भद्रा ने कड़े मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि अनिमेष कुजूर पुरुषों की रেস में पांचवें स्थान पर रहे।

हरिता भद्रा ने 23.20 सेकंड का समय लेकर महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, सिंगापुर की वेरोनिका शांति पेरेरा ने (22.78 सेकंड) गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जबकि चीन की चैन युजी 22.93 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। हरिया की साथी उन्नति अरुण्णा बोलेंड फाइनल में 23.46 सेकंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहीं।

इस मेडल के साथ ही एशियन गेम्स में महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में पोंडियम तक पहुंचने का भारत का इंतजार खत्म हो गया। इससे पहले, साल 2018 के गेम्स में दुती चंद ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। 23 वर्षीय हरिता इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में 200 मीटर में



मेडल जीतने वाली छठी भारतीय महिला भी बन गईं।

महाराष्ट्र की स्प्रिंटर हरिता भद्रा ने 65वीं नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने पर्सनल बेस्ट (23.14 सेकंड) के साथ नेशनल टाइटल जीता था, जिसके बाद वह इन गेम्स में उतरी थीं।

दूसरी तरफ, पुरुषों की 200

मीटर फाइनल में अनिमेष कुजूर पांचवें स्थान पर रहे। थाईलैंड के पुरीपोल बूसन ने 100 मीटर और 200 मीटर स्प्रिंट में डबल जीत हासिल करते हुए अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने 19.88 सेकंड का समय लेकर एशियन रिकॉर्ड की बराबरी की।

हीट्स में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में पहुंचे अनिमेष

मेडल के लिए जरूरी रफ्तार नहीं दिखा पाए और एशियन गेम्स में 200 मीटर की अपनी दौड़ पांचवें स्थान पर खत्म की। उन्होंने 20.80 सेकंड में रেস पूरी की। इससे पहले अनिमेष इसी गेम्स में 100 मीटर के सेमीफाइनल में भी पहुंचे थे।

भारत 33 पदकों के साथ मेडल टेबली में फिलहाल 12वें स्थान पर है।

महिला बॉक्सर परवीन ने मेडल किया पक्का, खमिदोवा को 5-0 से हराया



विश्व केसरी ■
निशियो। भारतीय महिला मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने रविवार को 65 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की नवबखोर खमिदोवा को 5-0 से मात दी। निशियो जिम्नेजियम में इस जीत के साथ परवीन ने एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए बॉक्सिंग का दूसरा मेडल सुनिश्चित किया।

भारतीय बॉक्सर ने सूझबूझ के साथ मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने अपनी रीच और स्पीड का इस्तेमाल करते हुए खमिदोवा को दूर रखा और सही मौकों पर पंच मारे। वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 की सिल्वर मेडलिस्ट उज्बेक बॉक्सर अपनी छाप छोड़ने में संघर्ष

करती दिखीं, जबकि परवीन ने तेज कॉम्बिनेशन और काउंटर-अटैक का सहारा लेकर सभी पांच जर्जों के स्कोरकार्ड पर मुकाबला अपने नाम किया। खमिदोवा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले राउंड में अपने लेफ्ट हुक से कुछ सफलता हासिल की, जिससे परवीन को बैक फुट पर खेलना पड़ा। हालांकि, परवीन ने तेज 'वन-टू' कॉम्बिनेशन और चुनिंदा काउंटर-अटैक से जवाब देते हुए राउंड में बढ़त बनाई। जर्जों ने यह राउंड 4-1 से उनके पक्ष में दिया। दूसरा राउंड भी कुछ इसी तरह का रहा। खमिदोवा ने दबाव बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन परवीन ने दूरी बनाए रखी और जब भी उज्बेक बॉक्सर आगे आई, उन्हें मौका मिला।

आर्चरी में पुरुष और महिला टीमों सेमीफाइनल में पहुंचीं

विश्व केसरी ■
नागोया। भारत की कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने रविवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्सप स्क्वायर में कजाकिस्तान और भूटान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तानिपार्थी और पुथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोकसाना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेक्सनबिनोवा को 233-230 से हराया।

क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रही भारतीय टीम ने राउंड ऑफ 16 में मंगोलिया पर 238-223 से जीत के साथ शुरुआत की और फिर क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान को हराया।

कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरामन की पुरुषों की टीम ने क्वार्टर फाइनल में भूटान के केजांग नोरबु, त्सुतुम गेले और टॉडिन दोरजी को 235-232 से हराया। भारतीय पुरुषों ने क्वालीफिकेशन में तीसरा स्थान



हासिल किया और क्वार्टर फाइनल में भूटान को हराने से पहले राउंड ऑफ 16 में यूएई को 235-215 से हराया। दोनों टीमों सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया का सामना करेंगी। मेडल राउंड 30 सितंबर को होंगे। कंपाउंड मिक्स्ड टीम

कॉम्पिटिशन भी अहम होगा। एलए28 में इस डिस्प्लिन का ऐतिहासिक ओलंपिक डेब्यू होने वाला है, इसलिए एशियन गेम्स में एक कोटा स्थान उपलब्ध है, जिससे कॉन्टिनेंटल सम्मान की लड़ाई में एक और रोमांच जुड़ गया है।

कुल मिलाकर, एशियन गेम्स में एलए28 ओलंपिक गेम्स के लिए आठ कोटा स्थान उपलब्ध हैं। सिंगापुर की कैमिली मैरी स्पैकारोटेला को हराया, जिन्होंने 4.50 का स्कोर किया।

मिक्स्ड टीम और कंपाउंड मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप में से प्रत्येक में पुरुषों और महिलाओं के लिए एक-एक कोटा मिलेगा।

भारत ने हांगझोऊ 2023 में एशियन गेम्स के तीरंदाजी कैम्पेन में अपना सबसे सफल प्रदर्शन किया, जिसमें उसने रिकॉर्ड नौ मेडल जीते। इनमें पांच गोल्ड, दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज हैं। कंपाउंड तीरंदाजों ने सभी पांच गोल्ड मेडल जीते, जबकि रिकर्व टीमों ने एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता।

दूसरी तरफ, भारत की सुगर शांति गायन और कमली प्रकाश अपनी-अपनी हीट जीतकर महिलाओं के शॉर्टबोर्ड इवेंट के राउंड 3 में पहुंच गईं।

सुगर शांति ने 7.33 (3.83+3.50) का स्कोर करके चीनी ताइपे की चैन वान-यू को हराया, जिन्होंने 5.40 का स्कोर किया, जबकि कमली ने 7.57 (4.17+3.40) का स्कोर करके सिंगापुर की कैमिली मैरी स्पैकारोटेला को हराया, जिन्होंने 4.50 का स्कोर किया।

स्वचैश में अभय ने जीता सिल्वर

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में रविवार को मॅस सिंगल्स स्वचैश फाइनल में भारतीय खिलाड़ी अभय सिंह को मलेशिया के मौजूदा चैंपियन ईन यो एनजी के खिलाफ 9-11, 5-11, 5-11 से शिकस्त मिली, जिससे अभय को सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। इसी के साथ सौरव घोषाल के बाद अभय इस इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने। सौरव ने साल 2014 और 2023 में सिंगल्स इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किए थे। फाइनल में हारने के कारण अभय एलए 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने से चूक गए, जहां स्वचैश पहली बार शामिल हो रहा है।

नागोया किंजो फुतो एरिना में 44 मिनट तक चला यह मुकाबला काफी कड़ा रहा, लेकिन धीरे-धीरे ईन ने अपना नियंत्रण बनाते हुए अभय को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। पिछले संस्करण के फाइनल में सौरव घोषाल को शिकस्त देने वाले मलेशियाई खिलाड़ी ने संभलकर शुरुआत करते



हुए लंबी रैलियां कीं। अभय ने एक बेहतरीन बैकहैंड शॉट के साथ पहली बढ़त बनाई और कुछ समय के लिए 2-1 से आगे रहे।

ईन ने लगातार चार प्वाइंट्स जीतकर 6-3 की बढ़त बना ली, लेकिन अभय ने हार नहीं मानी। एक चालाकी भरे बैकहैंड विनर और एक स्ट्रोक कॉल की मदद से उन्होंने स्कोर 8-8 से बराबर कर लिया। हालांकि, ईन ने 10-8 पर दो गेम प्वाइंट्स हासिल किए और अभय द्वारा एक प्वाइंट्स बचाव के बावजूद पहला गेम 11-9 से जीत

लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में अभय ने 2-2 से बराबरी बनाए रखी, लेकिन लगातार गलतियों के कारण ईन ने 7-3 की बढ़त बना ली। डिफेंडिंग चैंपियन ने दबाव बनाए रखा और 10-5 के स्कोर पर पांच गेम प्वाइंट्स हासिल किए, जिसके बाद उन्होंने 2-0 की बढ़त के साथ गेम अपने नाम कर लिया। तीसरे गेम में अभय ने अच्छी शुरुआत की।

स्टीक बैकहैंड स्लाइस और क्रॉसकोर्ट किल के कॉम्बिनेशन से वे 4-2 से आगे हो गए।

